शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 212 | गुवाहाटी | रविवार, 8 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राष्ट्रपति के अपमान पर प्रधानमंत्री मोदी का पश्चिम बंगाल सरकार पर हमला पेज 2
जन आशीर्वाद यात्रा में दिख रहा लोगों का जबर्दस्त जोश : भाजपा पेज 3
रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी से आम जनता पर महंगाई की मार... पेज 5
टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल : अहमदाबाद की पिच पर बल्लेबाजों का दबदबा... पेज 7

पश्चिमी एशिया में जारी तनाव के बीच भारत में घरेलू सिलेंडर हुआ 60 रुपए महंगा

वाणिज्यिक सिलेंडर का दाम 114.5 रुपए बढ़ा

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आयात होने वाली तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी (तरलीकृत पेट्रोलियम गैस) सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए गए हैं। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपए की वृद्धि की गई है। नई दरें शनिवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में अब गैर-सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपए से बढ़कर 913 रुपए हो गई है। यह पिछले 11 महीने में दूसरी बार बढ़ोतरी है। इससे पहले 8 अप्रैल 2025 को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए की वृद्धि की गई थी। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजार में तेजी के कारण गैस की लागत बढ़ी है, जिसके चलते कीमतों में यह बढ़ोतरी की गई है। होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आयात होने वाली तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति पर पड़ रहे असर को भी इसकी एक वजह माना जा रहा है। आईओसी के अनुसार, अलग-अलग राज्यों में स्थानीय बिक्री कर या मूल्य वर्धित कर (वैट) की दरों के आधार पर एलपीजी की कीमतों में अंतर होता है। नई दरों के अनुसार मुंबई में 14.2 किलोग्राम का घरेलू एलपीजी सिलेंडर अब 912.50 रुपए, कोलकाता में 939 रुपए और चेन्नई में 928.50 रुपए का हो गया है। नोएडा में भी घरेलू सिलेंडर की कीमत दिल्ली के बराबर 913 रुपए हो गई है। होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी 114.5 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद नई दिल्ली में इसकी कीमत बढ़कर 1,883 रुपए हो -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी भर की एजेंसियों में मची अफरा-तफरी

गुवाहाटी। खाना पकाने की गैस की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी के कारण शनिवार, 7 मार्च की सुबह गुवाहाटी भर के कई एलपीजी वितरण केंद्रों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। निवासी संशोधित दरों की पुष्टि करने और यह समझने के लिए पास की एजेंसियों की ओर दौड़ पड़े कि इस वृद्धि से उनके घरेलू बजट पर क्या प्रभाव पड़ेगा। मूल्य संशोधन से घरेलू और व्यावसायिक दोनों प्रकार के सिलेंडर प्रभावित हुए हैं। परिणामस्वरूप, उपभोक्ताओं और व्यवसायों के बीच नई चिंताएँ पैदा हो गई हैं, जो पहले से ही बढ़ती जीवन लागत और परिचालन लागतों से जूझ रहे हैं। अधिकारियों द्वारा संशोधित दरों की घोषणा के तुरंत बाद, कई परिवारों ने शहर भर में एलपीजी एजेंसियों का दौरा किया ताकि उन्हें नई मूल्य संरचना के बारे में जानकारी मिल सके। उन्होंने यह भी जानने की कोशिश की कि क्या बढ़ी हुई दरें उनके अगले सिलेंडर खरीद पर तुरंत लागू होंगी। अद्यतन दरों के अनुसार, 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में -शेष पृष्ठ दो पर

असम चुनाव : सीट बंटवारे पर सत्ताधारी और विपक्ष दोनों को करना पर रहा है कठिनाइयों का सामना

गुवाहाटी। विधानसभा चुनावों के लिए सत्ताधारी और विपक्षी दोनों गठबंधनों को सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने में मुश्किल हो रही है। संभावना है कि असम विधानसभा चुनावों में कई सीटों पर सहयोगी दलों के बीच सौहार्दपूर्ण मुकाबला हो सकता है। सत्ताधारी भाजपा असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) से बातचीत कर रही है। हालांकि, जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं पर इस साल के विधानसभा चुनावों में अधिक सीटें हासिल करने का भारी दबाव है। 2021 के विधानसभा चुनावों में अगप ने 29 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से 26 पर अकेले चुनाव लड़ा और तीन सीटों पर सौहार्दपूर्ण मुकाबला हुआ था। अगप ने नौ सीटें जीती थीं। पार्टी 2014 से भाजपा के साथ गठबंधन में है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हाल ही में कहा कि हमने असम गण परिषद (अगप) के साथ प्रारंभिक बातचीत शुरू कर दी है और हमें उम्मीद है कि हम 9 या 10 मार्च तक सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप दे देंगे। कुछ अगप नेताओं द्वारा अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने के दावों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुझे ऐसे किसी दावे की जानकारी नहीं है। हालांकि, वे उस सीट के लिए नामांकन दाखिल कर सकते हैं, लेकिन हम -शेष पृष्ठ दो पर

अपहरण और फायरिंग के मामलों में दो गिरफ्तार

डीमा हसाउ (हि.स.)। राज्य के डीमा हसाउ जिले में पुलिस ने इलाके में हुए एक अपहरण और फायरिंग की घटना में कथित तौर पर शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, माइबांग पुलिस स्टेशन के हरिचंद्रपुर के निवासी सुरेश खेरक्षा उर्फ हरीश चंद्र (42) को शनिवार सुबह पुलिस अधिकारी हिमांशु बोरगोहाई की टीम ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि आरोपित कथित तौर पर 25 अप्रैल, 2025 को लोंगखोर इलाके से एक ट्रक ड्राइवर के अपहरण में शामिल था। सूचना मिली है कि वह 16 फरवरी, 2026 को दिखाखोर में हुई फायरिंग की घटना से भी जुड़ा है। अधिकारियों ने -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में 22 हजार से ज्यादा मंदिरों और नामघरों के बुनियादी ढांचे का उन्नयन किया गया : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने आस्था और सामुदायिक जीवन के केंद्रों को मजबूत करने की पहल के तहत राज्य भर में 22,923 मंदिरों और नामघरों में बुनियादी ढांचे का उन्नयन किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपडेट साझा करते हुए, शर्मा ने कहा कि असम में गहरे सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व रखने वाले इन धार्मिक संस्थानों में सुविधाओं में सुधार के लिए 433 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। असम में हमारे लिए मंदिर और नामघर केवल पूजा स्थल नहीं हैं; वे हमारे समुदायों का हृदय और हमारी परंपराओं की आत्मा हैं, मुख्यमंत्री ने लिखा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की इस पहल का उद्देश्य इन पवित्र स्थलों का संरक्षण और पुनरुद्धार करना है, साथ ही -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

ममता सरकार के बर्ताव पर राष्ट्रपति मुर्मू ने जताई नाराजगी

कोलकाता (हि.स.)। उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित नौवें अंतर्राष्ट्रीय संताल सम्मेलन में शामिल होने पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था और प्रोटोकॉल को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने मंच से संबोधन के दौरान अप्रत्यक्ष रूप से राज्य प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सम्मेलन के आयोजन में कई तरह की बाधाएं पैदा की गईं, जिससे आयोजकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार को बागडोगरा हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद राष्ट्रपति सीधे गोसाईपुर स्थित कार्यक्रम स्थल गईं और इसके बाद विधाननगर में आयोजित मुख्य सम्मेलन में हिस्सा लिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि विधाननगर में पर्याप्त जगह होने के बावजूद सुरक्षा कारणों का हवाला देकर प्रारंभ में यहां सम्मेलन की अनुमति नहीं दी गई। इस वजह से आयोजकों को कार्यक्रम स्थल चार बार बदलना -शेष पृष्ठ दो पर

जन आशीर्वाद यात्रा के छठे दिन सरूपथार में भारी भीड़ ने सीएम शर्मा का किया स्वागत

सरूपथार। असम विधानसभा चुनाव से पहले राज्यव्यापी जनसंपर्क अभियान के छठे दिन शनिवार को सरूपथार निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा को जनता का जबरदस्त प्रतिसाद मिला, जिसमें हजारों समर्थक मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं का स्वागत करने के लिए सड़कों पर उमड़ पड़े। सरूपथार में यात्रा का शुभारंभ बरपथार स्थित ऐतिहासिक दुवाराणी शिव मंदिर से हुआ, जहां मुख्यमंत्री ने प्रार्थना की और यात्रा शुरू करने से पहले लोगों से आशीर्वाद लिया। डॉ. शर्मा मंदिर के पास पहुंचने के लिए इलाके में एक अस्थायी हेलीपैड का इस्तेमाल किया। इस यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री ने धनसिरी में ब्रह्म और विष्णु की पारंपरिक मूर्तियों की पूजा भी की, जिसके बाद उन्होंने सभा को संक्षिप्त रूप से संबोधित किया और जन आशीर्वाद यात्रा के लिए लोगों की अनुमति और आशीर्वाद मांगा। बरपथार कस्बे से होते हुए गेलाबिल चारियाली की ओर बढ़ रही इस यात्रा का सरूपथार के निवासियों ने फूलों की वर्षा करके स्वागत किया। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विकास पहलों के प्रति आभार व्यक्त करने और भाजपा के अभियान के प्रति समर्थन दिखाने के लिए हजारों समर्थक, पार्टी कार्यकर्ता -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अस्थिर मन वाले की सोच स्थिर नहीं रहती।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

नेपाल की नई सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए भारत प्रतिबद्ध : मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि एक करीबी मित्र और पड़ोसी के रूप में भारत नेपाल की जनता और वहां की नई सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने नेपाल में संसदीय चुनाव के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन पर बधाई देते -शेष पृष्ठ दो पर

हरियाणा के रंग फैक्टरी में भीषण आग, चार की मौत, 13 झुलसे

जींद (हि.स.)। हरियाणा के जींद जिले के सफीदों के भाट कॉलोनी स्थित होली रंग बनाने वाली फैक्ट्री में शनिवार को शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग में चार महिलाओं की जलकर मौत हो गई और 13 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना मिलने पर डीसी, एसपी, पुलिस, फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने फैक्टरी मालिक सहित पांच लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

ओम बिरला लोस के उत्पाती छात्रों को ठीक करना जानते हैं : पीएम

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर सोमवार को सदन में चर्चा होगी। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा से पहले शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पीकर ओम बिरला की कार्यशैली एवं व्यक्तित्व पर पूरा भरोसा जताया। पीएम मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष की सराहना करते हुए कहा कि ओम बिरला न केवल एक बेहतरीन सांसद हैं, बल्कि उतने ही शानदार लोकसभा अध्यक्ष भी साबित हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ओम बिरला का समर्पण पूरी तरह से संविधान के प्रति -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका के आगे नहीं झुकेंगे, दो साल तक लड़ने के लिए तैयार : ईरानी दूत

तेहरान। ईरान के सुप्रीम नेता स्वर्गीय अयातुल्ला अली होसैनी खामेनेई के भारत में प्रतिनिधि, अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा है कि हम एक हफ्ते के अंदर सुप्रीम लीडर चुन लेंगे। सुप्रीम लीडर चुनने का एक प्रोसेस है, जिसका पालन किया जाएगा। इसके साथ ही साफ कर दिया है कि वे अमेरिका के आगे नहीं झुकेंगे। हम दो साल तक लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम दुनिया से इंसानियत के साथ खड़े होने की अपील करेंगे। हम पड़ोसी देशों पर तभी हमला नहीं करेंगे, जब हम पर हमला होगा। जिस तरह यूएस और इजराइल ने खामेनेई को मारा, उससे ईरान के लोग एक हो गए। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स और *जायोनी शासन* के हमलों के बाद भी देश अपनी आजादी और सम्मान की रक्षा के लिए दृढ़ है। बढ़ते क्षेत्रीय तनाव पर बात करते हुए, इलाही ने कहा कि तेहरान को उस *अन्यायपूर्ण* हमले के खिलाफ बचाव की मुद्रा में आने के लिए मजबूर किया गया है, जिसे उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

टी-20 फाइनल के लिए रेलवे की विशेष पहल

नई दिल्ली से साबरमती के लिए चलेगी विशेष ट्रेन

नई दिल्ली (हि.स.)। अहमदाबाद में रविवार को होने वाले क्रिकेट के टी-20 विश्व कप फाइनल मुकाबले के मद्देनजर भारतीय रेलवे ने दर्शकों की सुविधा के लिए नई दिल्ली से साबरमती के बीच विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। बढ़े हुए हवाई किराए और टिकटों की सीमित उपलब्धता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि मैच देखने जाने वाले लोगों को यात्रा में किसी तरह की परेशानी न हो। रेलवे अधिकारियों के अनुसार विशेष ट्रेन संख्या 04062 -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए : असम में दो साल तक हिरासत में रहने वाली विदेशी महिला को मिली नागरिकता

सिलचर। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के लागू होने के बाद असम के कछार जिले में दो साल तक नजरबंदी में रहने के बाद एक महिला को भारतीय नागरिकता दी गई है। 59 वर्षीय दीपाली दास, जो धोलाई विधानसभा क्षेत्र के हवैथांग इलाके की निवासी हैं, को फरवरी 2019 में विदेशी ट्रिब्यूनल (एफटी) ने अवैध प्रवासी घोषित किया था। दीपाली दास को विदेशी ट्रिब्यूनल के आदेश के बाद पुलिस ने मई 2019 में हिरासत में ले लिया था और सिलचर नजरबंद केंद्र भेज दिया था। लगभग दो साल तक नजरबंद रहने के बाद, उन्हें मई 2021 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जमानत मिली। उनके वकील धरमानंद देव के अनुसार, दीपाली मूल रूप से बांग्लादेश के सिलहट जिले के धीराई पुलिस स्टेशन के दिप्पूर गांव की रहने वाली थीं। 1987 में उनकी शादी अभिमन्यु दास से हुई थी, जो हबीगंज जिले के बनीयाचोंग पुलिस स्टेशन के पराई गांव के रहने वाले थे। एक साल बाद, 1988 में, यह जोड़ा भारत आया और कछार जिले में बस -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर युद्ध की मार फरवरी में 92,000 नौकरियों की कटौती

वाशिंगटन। अमेरिकी श्रम बाजार से आए ताजा आंकड़ों ने दुनिया भर के अर्थशास्त्रियों और नीति निर्माताओं को चिंता में डाल दिया है। श्रम विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी महीने में अमेरिकी नियोक्ताओं ने अप्रत्याशित रूप से 92,000 नौकरियों में कटौती की है। यह गिरावट न केवल अनुमानों से कम है, बल्कि यह संकेत देती है कि ईरान के साथ जारी युद्ध और वैश्विक अनिश्चितता ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था की नींव हिला दी है। श्रम विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में नियुक्तियों की स्थिति जनवरी के मुकाबले खराब रही। जनवरी में कंपनियों, गैर-लाभकारी संस्थाओं और सरकारी एजेंसियों ने 1,26,000 नौकरियां जोड़ी थीं। अर्थशास्त्रियों ने फरवरी में 60,000 नयी नौकरियों की उम्मीद जताई थी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर और जनवरी के पेरोल से भी 69,000 नौकरियां कम कर दी गई हैं। फरवरी में रोजगार की यह कमजोर स्थिति ईरान के साथ युद्ध के कारण पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता को दर्शाती है। इस युद्ध की वजह से तेल की कीमतों में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

राष्ट्रपति के अपमान पर प्रधानमंत्री मोदी का पश्चिम बंगाल सरकार पर हमला

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा व्यक्त नाराजगी एवं पीड़ा के बाद राज्य की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला करते हुए इसे शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर होता है और इस सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा का हर हाल में सम्मान किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जो भी लोकतंत्र और आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण में विश्वास रखते हैं, वे इस घटना से बेहद आहत और निराश हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं आदिवासी समुदाय से आने वाली राष्ट्रपति द्वारा व्यक्त दर्द और पीड़ा ने देशवासियों के मन को गहरी ठेस पहुंचाई है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार ने इस मामले में सारी सीमाएं पार कर दी हैं और राज्य का प्रशासन राष्ट्रपति के इस अपमान के लिए जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि संथाली संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विषय को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा इतनी लापरवाही से लिया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर होता है और इस सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा का हर हाल में सम्मान किया जाना चाहिए। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में आयोजित 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाली कांफ्रेंस के संदर्भ में कहा कि सम्मेलन ऐसे स्थान पर आयोजित किया गया, जहां संथाली समुदाय के लोग पहुंच ही नहीं सकें, जिससे उन्हें गहरा दुख हुआ। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर वे मौजूद थीं, वहां विशाल क्षेत्र है और वहां लाखों लोग एकत्र हो सकते थे, लेकिन प्रशासन ने सम्मेलन के लिए ऐसा स्थान चुना जो दूर और सीमित था। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि जब किसी स्थान पर राष्ट्रपति का दौरा होता है तो मुख्यमंत्री और मंत्रियों को भी वहां मौजूद रहना चाहिए, लेकिन इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उपस्थित नहीं थीं। उन्होंने कहा कि वह भी बंगाल की बेटी हैं और ममता बनर्जी को अपनी छोटी बहन की तरह मानती हैं, लेकिन इस घटना से उन्हें काफी दुख हुआ।

गैस सिलिंडर के दाम बढ़ने पर कांग्रेस हमलावर पीएम की भूमिका पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। घरेलू और व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद कांग्रेस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने पीएम को महंगाई मैन बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार महंगाई का बोझ सीधे आम लोगों पर डाल रही है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़ाकर आम परिवारों के बजट पर सीधा हमला किया है। वहीं 19 किलोग्राम वाले व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 115 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। पार्टी ने यह भी दावा किया कि पिछले तीन महीनों में व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत 307 रुपए तक बढ़ चुकी है। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि सरकार की प्राथमिकता नागरिकों को सस्ता और टिकाऊ ईंधन उपलब्ध कराना है। खेड़ा ने तंज कसते हुए लिखा कि एक दिन बाद ही घरेलू एलपीजी की कीमत 60 रुपए और व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत 115 रुपए बढ़ा दी गई। खेड़ा कहा कि हरदीप सिंह पुरी जो कहते हैं, उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए। दरअसल पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर किसी तरह की कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य नागरिकों को किफायती और टिकाऊ ईंधन उपलब्ध कराना है। सूत्रों के अनुसार, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 7 मार्च से देशभर में 60 रुपए बढ़ा दी गई है। वहीं होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायों में इस्तेमाल होने वाले 19 किलोग्राम के व्यावसायिक सिलेंडर के दाम में भी 115 रुपए की बढ़ोतरी लागू हो गई है।

कोकराझाड़ में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ के नराबाड़ी स्थित गर्ल्स कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में आज *गिव टू गेन* थीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग, बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के मिशन शक्ति के अंतर्गत संकल्प: हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन द्वारा *बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ* पहल के तहत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में महिलाओं के योगदान को सम्मानित करना था। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग, बीटीसी की सचिव पामी ब्रह्म मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महिला दिवस की भावना केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, अवसर और समान भागीदारी के रूप में प्रतिदिन दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने उन महिलाओं के संघर्ष और योगदान को याद किया, जिन्होंने वर्षों तक महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। आज महिलाओं के लिए अनेक नीतियां और अवसर उपलब्ध हो सके हैं।

ब्रह्मपुत्र नदी में डूबी किशोरी का दूसरे दिन शव बरामद

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिलांतर्गत बहरी इलाके से ब्रह्मपुत्र नदी में डूबने के बाद से लापता किशोरी रीता टियार का शव शनिवार को बरामद किया गया। रीता टियार बहरी बाजार निवासी सुरजीत टियार की बेटी है। ज्ञात हो कि बीते कल से ब्रह्मपुत्र नदी में डूबने के बाद से रीता टियार नामक किशोरी लापता थी। आज एसडीआरएफ की टीम ने अभियान चलाकर किशोरी का शव बरामद किया। उल्लेखनीय है कि, बीते शुक्रवार को होली खेलते हुए लगभग 10 से 12 किशोर-किशोरियों की एक टीम बहरी स्थित ब्रह्मपुत्र नदी में नहाने गई थीं। इनमें से 6 किशोर-किशोरियां ब्रह्मपुत्र नदी में डूब गए। तुरंत स्थानीय लोग नदी से किशोर-किशोरियों को बचाने के लिए अभियान चलाते हुए दो को सुरक्षित बाहर निकाला, हालांकि इनमें से चार नदी में डूब गए। तीन के शव को बीते कल ही बरामद कर लिया गया, जबकि रीता टियार का पता नहीं चल सका। वर्तमान में रीता टियर के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बरपेटा मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि, बीते कल विष्णु माझी (18), अनीता टियार (17) और राजकुमार टियार (17) के शव बरामद हुए थे।

युद्ध में कमजोर पड़ रहा ईरान! तेजी से घट रही मिसाइल ताकत, ड्रोन हमलों में भी भारी गिरावट

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के पांच दिनों में ईरान की मिसाइल क्षमता में बड़ी गिरावट का दावा किया गया एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता तेजी से कम होती जा रही है। सोशल मीडिया विश्लेषण प्लेटफॉर्म के मुताबिक युद्ध के शुरुआती दिनों में ईरान ने भारी संख्या में मिसाइल और ड्रोन दागे, लेकिन पांचवें दिन तक इनकी संख्या तेजी से गिर गई। रिपोर्ट के अनुसार: पहले दिन 350 बैलिस्टिक मिसाइलें व पांचवें दिन सिर्फ 40 मिसाइलें दागी गईं। यह गिरावट संकेत देती है कि ईरान की हमलावर क्षमता पर दबाव बढ़ रहा है। ड्रोन हमलों का पैटर्न भी लगभग इसी तरह देखा गया। पहले दिन करीब 300 ड्रोन लॉन्च, दूसरे दिन 500 से अधिक ड्रोन जबकि पांचवें दिन केवल लगभग 45 ड्रोन दागे गए। विश्लेषकों का कहना है कि यह गिरावट या तो भंडार कम होने या लॉन्च क्षमता को नुकसान पहुंचने का संकेत हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि युद्ध के पूरे सप्ताह में ईरान ने करीब 25 क्रूज मिसाइलें ही दागीं। इसके बाद ग्राफ लगभग सपाट हो गया, यानी क्रूज मिसाइल हमले लगभग बंद हो गए। विश्लेषण के मुताबिक इस गिरावट की एक बड़ी वजह यूनाइटेड स्टेट्स और इजरायल द्वारा किए जा रहे लगातार हमले हो सकते हैं। इन हमलों में कथित तौर पर मिसाइल लॉन्चर, ड्रोन कंट्रोल हब, अंडरग्राउंड स्टोरेज डिपोज को निशाना बनाया गया है। यदि ये ठिकाने नष्ट होते हैं तो मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करना कठिन हो जाता है। क्या सचमुच खत्म हो रहा है ईरान का हथियार भंडार? हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और युद्ध के दौरान आंकड़े अक्सर बदलते रहते हैं।

फकीराग्राम में वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम में आज बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) सरकार की पहल पर वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। फकीराग्राम परिषदीय क्षेत्र के एमसीएलए एजामुल हक के कार्यालय में आयोजित इस बैठक में क्षेत्र के कई वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कोकराझाड़ में आयोजित होने वाली प्रधानमंत्री की आगामी सभा के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही बीटीसी प्रमुख हग्रामा महिलारी द्वारा चुनाव के समय जनता से किए गए पांच प्रमुख वादों का भी उल्लेख किया गया। इन वादों के अंतर्गत विभिन्न वर्गों के लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने चुनाव के समय भूमि पट्टा वितरण, स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक सहयोग, बेरोजगार युवाओं को आर्थिक सहायता, वरिष्ठ नागरिकों को सहायता तथा विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों को आर्थिक सहयोग देने का वादा किया था। इसी कार्यक्रम के तहत आज इस बैठक का आयोजन किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

पश्चिमी एशिया में ...

गई है। इससे पहले एक मार्च को भी 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत में 28 रुपए की वृद्धि की गई थी। नए दामों के अनुसार, मुंबई में 19 किलोग्राम का वाणिज्यिक सिलेंडर 1,835 रुपए में मिलेगा, जबकि कोलकाता में इसकी कीमत बढ़कर 1,990 रुपए और चेन्नई में 2,043.50 रुपए हो गई है। इस वर्ष अब तक वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कुल 302.50 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को राहत जारी रहेगी। योजना के तहत मुफ्त एलपीजी कनेक्शन पाने वाले 10 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को साल में 12 सिलेंडर तक प्रति सिलेंडर 300 रुपए की सब्सिडी मिलती रहेगी।

गुवाहाटी भर की ...

60 यूरो की वृद्धि हुई है, जो 902 यूरो से बढ़कर 962 यूरो हो गई है। इसी प्रकार, छोटे 10.19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत में भी वृद्धि हुई है, जो 645 यूरो से बढ़कर 688 यूरो हो गई है। जिन परिवारों की रोजमर्रा की खाना पकाने की जरूरतों के लिए एलपीजी पर बहुत अधिक निर्भरता है, उनके मासिक बजट पर इस बढ़ोतरी का अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब कई परिवार पहले से ही महंगाई और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं। व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए यह वृद्धि और भी तीव्र रही है। गुवाहाटी में, 19.1 किलोग्राम के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 146 की बढ़ोतरी हुई है, जो 1,957.50 से बढ़कर 2,103.50 हो गई है। इस तीव्र वृद्धि का सबसे अधिक प्रभाव आतिथ्य क्षेत्र पर पड़ने की संभावना है, क्योंकि होटल, रेस्तरां और सड़क किनारे के ढाबे अपने दैनिक संचालन के लिए व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। परिणामस्वरूप, उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इस वृद्धि से कई खाद्य प्रतिष्ठानों की परिचालन लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। इस क्षेत्र के कई व्यवसाय अभी भी पूर्व के आर्थिक संकटों से उबर रहे हैं। इसलिए, छोटे भोजनालयों और स्थानीय रेस्तरांओं, जिनका लाभ मार्जिन आमतौर पर कम होता है, के लिए अतिरिक्त खर्च वहन करना मुश्किल हो सकता है। कई व्यवसाय मालिकों ने पहले ही चिंता व्यक्त की है कि इस वृद्धि के कारण अंततः उन्हें मेनू की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं। उनका कहना है कि ईंधन की बढ़ती लागत की भरपाई के लिए प्रतिष्ठानों को इस तरह के समायोजन करने पड़ सकते हैं। शहर के एक रेस्तरां मालिक ने कहा कि खाना पकाने की गैस खाद्य व्यवसाय में सबसे बड़े आवर्ती खर्चों में से एक है। इसमें अचानक वृद्धि हमारे दैनिक कार्यों को सीधे प्रभावित करती है। वर्तमान में, आतिथ्य सत्कार क्षेत्र पहले से ही कई वित्तीय दबावों का सामना कर रहा है। संचालकों का कहना है कि वे कच्चे माल की बढ़ती कीमतों, परिवहन लागत और बिजली बिलों से जूझ रहे हैं, और एलपीजी की कीमतों में हालिया वृद्धि से लागत समायोजन का एक और दौर शुरू हो सकता है।

असम चुनाव : सीट बंटवारे ...

भी उन सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और यह एक सौहार्दपूर्ण मुकाबला होगा। सत्ताधारी भाजपा की सहयोगी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने घोषणा की है कि वह इस साल के असम विधानसभा चुनावों में कुल 21 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) क्षेत्र के भीतर 15 सीटों और बीटीसी के बाहर छह सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। बीपीएफ और यूपीपीएल ने स्पष्ट कर दिया है कि दोनों पार्टियां एक साथ चुनाव नहीं लड़ सकतीं और न ही उनके बीच सीटों के बंटवारे की कोई व्यवस्था हो सकती है। विपक्षी गठबंधन ने घोषणा की है कि वह आने वाले दिनों में पूरे राज्य में संयुक्त चुनाव प्रचार शुरू करेगा। 2026 के असम विधानसभा चुनावों से पहले चार पार्टियां एकजुट होकर एक संयुक्त राजनीतिक मोर्चा बनाने का संकेत दे रही हैं। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने शुक्रवार को कहा कि गठबंधन के सहयोगी जल्द ही पूरे असम में समन्वित चुनाव प्रचार बैठकें करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास केवल 30 दिन हैं और ये 30 दिन बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि पार्टियों ने पूरे राज्य में तय तारीखों और स्थानों पर संयुक्त चुनाव प्रचार बैठकें शुरू करने का फैसला किया है। इन पार्टियों में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी), असम जातीय परिषद (एजेपी), ऑल पार्टी हिल लीडर्स कांफ्रेंस (एपीएचएलसी) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) (सीपीआई-एम) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन को विस्तार देने के लिए रायजोर दल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया जैसी अन्य पार्टियों से बातचीत चल रही है। कांग्रेस पहले ही 42 उम्मीदवारों की सूची घोषित कर चुकी है। असम में विधानसभा की 126 सीटें हैं। हालांकि, इन पार्टियों ने सीट बंटवारे को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। रायजोर दल लगातार कांग्रेस से गठबंधन के लिए संपर्क कर रहा है और उसने उन सीटों की सूची भी सौंपी है जिन पर वह चुनाव लड़ने को तैयार है। हाल ही में प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन कर ली है। भाजपा उन्हें बिहपुरिया या रंगनाडी से उम्मीदवार बनाने को तैयार है। हालांकि, पार्टी कार्यकर्ताओं का एक वर्ग बोरा की उम्मीदवारी का विरोध कर रहा है। वर्तमान विधानसभा में भाजपा के पास 64 विधायक हैं, जबकि उसके सहयोगी दलों - असम गण परिषद, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट - के पास क्रमशः नौ, सात और तीन विधायक हैं। विपक्ष में कांग्रेस के पास 26 विधायक, अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एयूडीएफ) के पास 15, सीपीआई (एम) के पास एक और एक निर्दलीय विधायक हैं। गुवाहाटी स्थित अगप कार्यालय में अगप कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने मांग रखी कि गुवाहाटी सेंट्रल सीट अगप की होनी चाहिए और रामेंद्र नारायण कलिता को उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए। परिसीमन के बाद पश्चिम गुवाहाटी सीट का अस्तित्व समाप्त हो गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पश्चिम गुवाहाटी सीट, जो अब गुवाहाटी सेंट्रल है, क्षेत्रीय पार्टी का गढ़ है।

अपहरण और फायरिंग ...

कहा कि जिला पुलिस लगभग एक साल से आरोपित की तलाश कर रही थी, जिसके बाद आखिरकार उसे तलाशी अभियान के दौरान पकड़ लिया गया। संबंधित घटनाक्रम में, पुलिस ने मामले के सिलसिले में माइबांग पुलिस स्टेशन के अंतर्गत फैदीन निवासी हमचेन डिब्रागड़े (41) के रूप में पहचाने गए एक अन्य संदिग्ध को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों से गहन पूछताछ कर रही है।

राज्य में 22 हजार से ...

यह सुनिश्चित करना है कि ये स्थल राज्य भर के लोगों के लिए आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जीवन के केंद्र के रूप में कार्य करते रहें। नामघर - 15वीं शताब्दी के संत-सुधारक श्रीमंत शंकरदेव द्वारा शुरू किए गए नव-वैष्णव आंदोलन के तहत स्थापित पारंपरिक सामुदायिक प्रार्थना कक्ष - असम के सामाजिक-धार्मिक जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक सभाओं के अलावा, ये गांवों और कस्बों में सांस्कृतिक गतिविधियों, सामुदायिक चर्चाओं और सामाजिक सामंजस्य के केंद्रों के रूप में भी कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, मंदिरों और नामघरों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना असम की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने और राज्य की पारंपरिक संस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। इन पवित्र स्थलों का नवीनीकरण और सुदृढ़ीकरण करके, हम उन मूल्यों का सम्मान कर रहे हैं जो हमें विरासत में मिले हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारी आस्था, संस्कृति और जीवन शैली आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत बनी रहे, शर्मा ने कहा। अधिकारियों ने कहा कि विकास कार्यों में संरचनाओं का नवीनीकरण, बुनियादी सुविधाओं में सुधार और रखरखाव के लिए सहायता शामिल है ताकि ये संस्थान स्थानीय समुदायों की सेवा करना जारी रख सकें। यह पहल कई जिलों में लागू की जा रही है, जिसमें ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्र शामिल हैं, जिसका उद्देश्य असम की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करना और साथ ही श्रद्धालुओं और समुदाय के सदस्यों के लिए पहुंच और बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने असम की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े धरोहर स्थलों और संस्थानों के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए हैं।

ममता सरकार के बर्ताव ...

पड़ा, जो कि किसी भी बड़े सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन के लिए उचित स्थिति नहीं मानी जा सकती। राष्ट्रपति ने भावुक अंदाज में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उल्लेख करते हुए कहा कि वे उन्हें अपनी बहन की तरह मानती हैं और स्वयं को भी बंगाल की बेटी मानती हैं। इसके बावजूद यदि इस प्रकार की प्रशासनिक बाधाएं खड़ी होती हैं तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों को सहयोग और प्रोत्साहन मिलना चाहिए, क्योंकि ये आदिवासी समाज की संस्कृति, पहचान और परंपराओं को सशक्त करने का मंच प्रदान करते हैं। इस बीच सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था पर हल्की नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि उन्होंने देखा कि संताल समुदाय के कई लोग सम्मेलन कक्ष के बाहर घूम रहे थे और ऐसा लग रहा था कि उन्हें अंदर आने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में संताल समुदाय के सभी लोगों की खुली भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए।

जन आशीर्वाद यात्रा ...

और आम जनता मार्ग में एकत्रित हुए। बरपथार के ऐतिहासिक और सदियों पुराने शिव मंदिर के बकरी क्षेत्र में स्थित प्रतिमा के पास प्रार्थना अर्पित करने के साथ ही जुलूस की औपचारिक शुरुआत हुई, जिसके बाद यह निर्वाचन क्षेत्र के प्रमुख स्थानों से होकर गुजरा। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया, वित्त मंत्री अजंता नियोग, काजीरंगा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा और सरूपथार विधायक बिस्वजीत फुकन सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ रैली के दौरान मुख्यमंत्री के साथ थे। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि 28 फरवरी को शुरू हुई जन आशीर्वाद यात्रा का उद्देश्य आगामी चुनावों से पहले पूरे असम के लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 28 फरवरी से जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से असम भर में लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए यात्रा कर रही है। आज इस यात्रा का छठा दिन है, और सरूपथार से हम लोगों का आशीर्वाद लेकर डेरगांव की ओर बढ़ेंगे। भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान हासिल किए गए विकास पर प्रकाश डालते हुए, शर्मा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में पूरे राज्य में और विशेष रूप से सरूपथार निर्वाचन क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में भाजपा सरकार ने असम भर में विकास की गति तेज की है। इस दौरान हम सभी ने सरूपथार में आए बदलाव को देखा है। लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि अगर जनता हमें पांच साल का और जनादेश देती है, तो हम अब तक हासिल किए गए काम से चार गुना अधिक काम कर पाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार का लक्ष्य असम को सुरक्षा, समृद्धि और सर्वांगीण विकास के भविष्य की ओर ले जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आपका आशीर्वाद चाहता हूं ताकि हम असम में एक बार फिर भाजपा सरकार बना सकें और राज्य को विकास के नए क्षितिज की ओर ले जा सकें। राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारी संख्या में लोगों की उपस्थिति मुख्यमंत्री के प्रति जनता के मजबूत समर्थन और स्नेह को दर्शाती है। असम की जनता ने मुख्यमंत्री के प्रति जो प्रेम, विश्वास और सम्मान दिखाया है, वह असाधारण है। सरूपथार में हमें जो प्रतिक्रिया मिली है, वह उनके नेतृत्व में लोगों के भरोसे को दर्शाती है, सैकिया ने कहा। रैली में भारी भीड़ की उपस्थिति ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के दौरान पार्टी के आत्मविश्वास को बढ़ाया है। राज्य के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित की जा रही जन आशीर्वाद यात्रा का उद्देश्य मतदाताओं के साथ पार्टी के जुड़ाव को मजबूत करना है।

ओम बिरला लोस के ...

है और उनकी संसदीय प्रणालियों के संचालन में अटूट निष्ठा है। कोटा एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं कोटा के सांसद ओम बिरला की भी इस जरूरी प्रोजेक्ट के लिए उनकी लगातार कोशिशों के लिए तारीफ करना चाहता हूं। उनकी लगातार कोशिश कोटा के लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाने और उन्हें नए मौके देने की रही है। पीएम मोदी ने कहा कि वह आज किसी पक्ष के सदस्य नहीं हैं, वो पक्ष और विपक्ष से पूरी तरह ऊपर हैं। मैं जब उनको सदन में देखता हूं, तब मुझे ऐसा विचार आता है कि ये शायद उनके *शिक्षा की नगरी* (कोटा) से आने का प्रभाव ही है कि वो लोकसभा स्पीकर के रूप में भी एक अच्छे मुखिया की तरह सदन के सभी सदस्यों को साथ लेकर चलने की भूमिका में रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सदन में जितने भी सांसद हैं, उनको वह अच्छे से संभालते हैं। उनके आग्रहों और उनकी भावनाओं का वह बहुत ही आदर करते हैं और एक ऐसे अध्यक्ष महोदय हैं, जो सांसदों का सबसे अधिक सम्मान करने का स्वभाव रखते है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कभी-कभी अगर कुछ बड़े घरानों के अहंकारी और उत्पाती कोई छात्र आ भी जाते हैं, वो हुड़दंग करने की अपनी आदत तो छोड़ते नहीं हैं, तो भी वो सदन के मुखिया के तौर पर सबको संभालते हैं। उन्होंने कहा कि वो किसी भी सांसद को अपमानित नहीं करते हैं। सबके कड़वे बोल भी वे झेल लेते हैं और आपने भी देखा होगा वो हर बार मुस्कुराते हैं। उनके चेहरे पर एक मीठी हंसी हमेशा रहती है, शायद यह भी एक कारण है कि वो सदन में सर्वप्रिय हैं।

अमेरिका के आगे ...

अन्यायपूर्ण हमला कहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी इस स्थिति और इन हालात को नहीं चाहता था, लेकिन हमें इस स्थिति के लिए मजबूर किया गया है। हमारी स्थिति अच्छी नहीं है, हमारी हालत अच्छी नहीं है। यूनाइटेड स्टेट्स और जायोनी शासन ने हम पर गलत तरीके से हमला किया, और हमें अपनी रक्षा करनी होगी। हम अपनी जमीन के लिए कुर्बानी देते हैं, हम अपनी इज्जत के लिए कुर्बानी देते हैं, हम अपनी नैतिकता के लिए कुर्बानी देते हैं, हम अपनी आजादी के लिए कुर्बानी देते हैं। बातचीत में, प्रतिनिधि ने इलाके के भविष्य पर ध्यान दिया, और कहा कि मौजूदा संकट ने ईरान के पड़ोसियों को यह एहसास दिलाया है कि बाहरी ताकतें पक्की सुरक्षा गारंटी नहीं दे सकतीं। इलाही ने कहा कि असल में, मुझे यकीन है कि ईरान का भविष्य बेहतर होगा, और हमारे पड़ोसियों को यह समझ आ गया है कि कोई भी उन्हें गारंटी नहीं दे सकता।

नई दिल्ली से साबरमती ...

शनिवार देर रात 11 बजकर 45 मिनट पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। यह ट्रेन दिल्ली कैंट, गुरुग्राम और जयपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए रविवार को दोपहर 02 बजकर 30 मिनट पर साबरमती पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में कुल 19 कोच लगाए गए हैं। इनमें यात्रियों की सुविधा के लिए एसी-3 तथा एसी-2 श्रेणी के कोच शामिल किए गए हैं, ताकि लंबी दूरी की यात्रा करने वाले दर्शकों को आरामदायक सफर मिल सके। अधिकारियों का कहना है कि भारत बनाम न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप 2026 फाइनल मैच को लेकर देशभर में क्रिकेट प्रेमियों के बीच भारी उत्साह है और बड़ी संख्या में लोग अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पहुंचने की योजना बना रहे हैं। इसी को देखते हुए यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने और यात्रा को सुगम बनाने के उद्देश्य से यह विशेष ट्रेन चलाई जा रही है।

सीएए : असम में दो ...

गया, जहां वे तब से रह रहे हैं। दीपाली की नागरिकता पर 2013 में सवाल उठे जब पुलिस ने उनके खिलाफ जांच शुरू की। 2 जुलाई 2013 को पुलिस ने एक आरोप पत्र दायर किया, जिसमें कहा गया कि दीपाली बांग्लादेश के बनीयाचोंग की निवासी थीं और मार्च 1971 के बाद अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई थीं। वकील धरमानंद देव ने बताया कि यह आरोप पत्र सीएए के तहत भारतीय नागरिकता के आवेदन के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि आवेदक को बांग्लादेश, पाकिस्तान या अफगानिस्तान से प्रवासन के दस्तावेजी प्रमाण देने होते हैं। दीपाली के मामले में, 2013 के पुलिसिया आरोप पत्र में स्पष्ट रूप से उनका बांग्लादेश से होना बताया गया था, जिसे अधिकारियों ने मान्य प्रमाण के रूप में स्वीकार किया। 2021 में जमानत पर रिहा होने के बाद, दीपाली ने सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने की इच्छा जताई। 2024 में अधिनियम के नियमों की अधिसूचना जारी होने के बाद, उन्होंने कानूनी सहायता के लिए वकील धरमानंद देव से संपर्क किया। उनका पहला सुनवाई पिछले साल 24 फरवरी को सिलचर के डाक अधीक्षक के कार्यालय में हुई, जो ऐसे आवेदनों को संसाधित करने के लिए नामित है। इसके बाद दो और सुनवाई हुईं, जिसके बाद उनके सभी दस्तावेज गृह मंत्रालय (एमएचए) को ऑनलाइन जमा कर दिए गए। सामाजिक कार्यकर्ता कमल चक्रवर्ती ने बताया कि गृह मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा फील्ड सत्यापन के बाद, दीपाली को पिछले साल 25 मई को सिलचर के डाक अधीक्षक के कार्यालय में अंतिम पेशी के लिए बुलाया गया था। 6 मार्च को उन्हें अपना भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। दीपाली के तीन बच्चों, एक बेटे और तीन बेटियों, के लिए यह नागरिकता प्रमाण पत्र महत्वपूर्ण है। क्योंकि सभी बच्चों का जन्म भारत में हुआ है, वे भविष्य में अपनी मां के नागरिकता प्रमाण पत्र के आधार पर अपनी नागरिकता को सुरक्षित रख सकते हैं, यदि कभी कोई सवाल उठाया जाता है। नागरिकता संशोधन अधिनियम, जिसे 11 दिसंबर 2019 को संसद में पारित किया गया था, जिससे देश भर में, विशेषकर असम में व्यापक विरोध प्रदर्शनों को जन्म दिया था। इस अधिनियम के तहत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से हिंदू, ईसाई, बौद्ध, सिख, जैन और पारसी प्रवासी जो 25 मार्च 1971 और 31 दिसंबर 2014 के बीच भारत आए थे, वे भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ...

उछाल आया है और व्यवसायों एवं उपभोक्ताओं पर अप्रत्याशित लागत का बोझ बढ़ा है। नेवी फेडरल क्रेडिट यूनियन की मुख्य अर्थशास्त्री हेदर लॉन्ग ने कहा कि नौकरी का बाजार कई विपरीत परिस्थितियों से जूझ रहा है। कंपनियां इस वसंत में तब तक भर्ती करने में हिचकिचाएंगी जब तक कि युद्ध समाप्त नहीं हो जाता। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए यह चुनौतीपूर्ण समय है। वर्ष 2025 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीतियों और उच्च ब्याज दरों के कारण रोजगार बाजार सुस्त रहा था। जनवरी की बेहतर नियुक्तियों के बाद 2026 में सुधार की उम्मीद जगी थी, लेकिन ताजा रिपोर्ट ने उन उम्मीदों को झटका दिया है। फिंच रेटिंग्स में अमेरिकी अर्थशास्त्र के प्रमुख ओलू सोनोला के अनुसार, जब ऐसा लग रहा था कि श्रम बाजार स्थिर हो रहा है, तभी इस रिपोर्ट ने उस धारणा को धराशायी कर दिया है। यह हर लिहाज से बुरी खबर है। ईरान के साथ युद्ध के कारण रोजगार बाजार और पूरी अर्थव्यवस्था का परिदृश्य अनिश्चितता के बादलों से घिरा हुआ है। रेमंड जेम्स के मुख्य अर्थशास्त्री यूजीनियो अलेमान ने कहा कि मौद्रिक नीति के लिए यह संभवतः सबसे खराब परिदृश्य है।

नेपाल की नई सरकार के ...

हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि वह नेपाल के लोगों और सरकार को सफल तथा शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने पर हार्दिक बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि यह देखकर हर्ष होता है कि उनके नेपाली भाई-बहन लोकतांत्रिक अधिकारों का इतने उत्साह और जीवंतता के साथ प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा का गर्व का क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक करीबी मित्र और पड़ोसी के रूप में भारत नेपाल की जनता और वहां की नई सरकार के साथ मिलकर शांति, प्रगति और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के बीच मित्रता और सहयोग के संबंध भविष्य में और मजबूत होंगे।

हरियाणा के रंग फैक्टरी ...

के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सफीदों स्थित भाट कॉलोनी में रंग फैक्टरी में शनिवार को भी आम दिनों की तरह मजदूर काम कर रहे थे। अचानक आग भड़क उठी और कुछ ही मिनटों में पूरे परिसर में फैल गई। चारों ओर धुआं और आग की लपटें उठने के कारण मजदूरों के बीच चीख पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलने पर डीसी मोहम्मद इमरान रजा, एसपी कुलदीप सिंह मौके पर पहुंचे और बचाव व राहत कार्यों का जायजा लिया। हादसे में चार महिलाएं छत से कूद कर जान को बचा सकीं। जबकि गांव सिंघपुरा निवासी पिंकी (51), वार्ड नौ निवासी गुड्डी (50), डिग्गी मोहल्ला निवासी पूजा (40), आर्दश कालोनी निवासी ऊषा (45) की मौत हो गई। इस हादसे में 13 मजदूर घायल हो गए। फैक्टरी में आग के बीच से निकाले गए मजदूरों को जींद तथा सफीदों के अस्पताल में लाया गया है। कुछ ही देर में यहां लोगों की भारी भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है।

जन आशीर्वाद यात्रा में दिख रहा लोगों का जबर्दस्त जोश : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के लोगों का प्यार और आशीर्वाद पाने के लिए शुरू की गई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की *जन आशीर्वाद यात्रा* छठे दिन भी जारी रही, जिसमें लोगों में जबर्दस्त और पहले कभी नहीं देखा गया जोश देखने को मिला। शनिवार को, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया के साथ सरूपाथर, गोलाघाट, खुमटाई और डेरगांव विधानसभा क्षेत्रों में जन आशीर्वाद यात्रा में हिस्सा लिया। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता मानस सरनिया ने कहा कि आज जन आशीर्वाद यात्रा में लोगों का जो जबर्दस्त उत्साह देखा गया, वह इस बात का जीता-जागता सबूत है कि असम के लोगों को भाजपा और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया की दूर की सोच वाली नेतृत्व पर बहुत अधिक भरोसा है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा ने इस पक्की सच्चाई को साफ़ तौर पर दिखाया है कि भाजपा सरकार ने असम को पूरे विकास और बदलाव लाने वाली तरक्की के एक नए दौर की ओर सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है। जन आशीर्वाद यात्रा के छठे दिन, विकास और तरक्की की एक नई रफ़्तार और मजबूत हुई है। सरूपाथर, गोलाघाट, खुमटाई और डेरगांव विधानसभा क्षेत्रों के साथ-साथ असम के कई दूसरे इलाकों में, सरकार ने आधारभूत ढांचा, यातायात नेटवर्क और सामाजिक-आर्थिक मजबूती की कोशिशों में काफ़ी सुधार किया है, महिलाओं और पुरुषों दोनों को आर्थिक मदद और मौके दिए हैं ताकि वे आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें। यह ठीक भाजपा सरकार के विकास पर ध्यान देने वाली सोच और लोगों को ध्यान में रखकर शुरू की गई भलाई की पहल की वजह से ही है कि हजारों जोशीले नागरिक बड़ी संख्या में जन आशीर्वाद यात्रा में हिस्सा लेने के लिए निकले, जिससे पूरा माहौल जश्न और लोकतांत्रिक भागीदारी में बदल गया। मानस सरनिया ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर भी एक गंभीर आरोप लगाया, जिसमें कहा गया कि जहां भाजपा की यात्रा जनता के समर्थन का त्योहार बन गई है, वहीं कांग्रेस पार्टी की तथाकथित *समय परिवर्तन यात्रा* समय से पहले ही खत्म हो गई, जिससे गौरव गोगोई को अचानक बीच में ही कैंपेन छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस वापसी का मुख्य कारण कांग्रेस का जनता का समर्थन जुटाने में पूरी तरह से नाकाम रहना था। उन्होंने कहा कि भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा में लाखों लोगों की भारी भागीदारी इस बात का पक्का सबूत है कि भाजपा में जनता का विश्वास और भरोसा हर गुजरते दिन के साथ और मजबूत होता जा रहा है। इसके उलट, कांग्रेस की *समय परिवर्तन यात्रा* एक राजनीतिक गलत काम और नाकामी की एक सिंबॉलिक यात्रा से कम कुछ नहीं है। सरनिया ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी का चुनाव से पहले का गठबंधन पहले ही टूट चुका है और इस प्रोसेस में अखिल गोगोई को धोखा दिया गया। गौरव गोगोई द्वारा दिखाई गई बहुत ज्यादा प्रचारित राजनीतिक दोस्ती अब सिर्फ एक दिखावा बनकर सामने आ गई है। उन्होंने गौरव गोगोई पर पार्टी का टिकट चाहने वाले लगभग 800 उम्मीदवारों से हर एक से 50 हजार रुपए वसूलने का आरोप लगाया, जिससे कांग्रेस के अंदर की ट्रांसपेरेंसी पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि खुद टिकट का उम्मीदवार न होने के बावजूद, गौरव गोगोई को जोरहाट चुनाव क्षेत्र से पार्टी का टिकट मिला, कथित तौर पर कांग्रेस के एक पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे के तौर पर उनकी पहचान के कारण ही टिकट मिला। नतीजतन, कई टिकट के दावेदार अब अपने पैसे वापस

ऑपरेशन सद्भावना के तहत डॉन बॉस्को उच्चतर माध्यमिक के छात्रों से राज्यपाल ने की बातचीत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में नगालैंड के डॉन बॉस्को उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की, जो ऑपरेशन सद्भावना के तहत राष्ट्रीय एकीकरण यात्रा के हिस्से के रूप में लोक भवन का दौरा करने आए थे। विद्यार्थियों से बात करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि सद्भावना यात्रा युवाओं को भारत की समृद्ध विविधता, संस्कृति और परंपराओं को समझने में मदद करती है और विविधता में एकता की भावना को मजबूत करती है। 45वीं असम राइफल्स द्वारा आयोजित इस यात्रा कार्यक्रम में, उन्होंने ऑपरेशन सद्भावना के तहत यात्रा कार्यक्रम आयोजित करने में असम राइफल्स की भूमिका की सराहना की, जो दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ता है और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें समर्पण के साथ शिक्षा प्राप्त करने और राष्ट्र के विकास में सक्रिय रूप से योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने साथ ही विद्यार्थियों से अपने अनुभव दूसरों के साथ साझा करने और सामंजस्य, एकता और भाईचारे का संदेश फैलाने का भी आह्वान किया। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि छात्रों को इस यात्रा के दौरान जो अनुभव और ज्ञान मिला, वह छात्रों को आत्मविश्वास विकसित करने, उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाने, और उन्हें राष्ट्र निर्माण में एक सार्थक भूमिका निभाने के लिए तैयार करने में मदद करेगा। उन्होंने 45वीं असम राइफल्स, शिक्षकों और आयोजकों का भी धन्यवाद किया कि उन्होंने छात्रों को इस तरह का मूल्यवान शिक्षण अनुभव प्रदान किया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जंगली हाथियों के हमले में मां और बेटे की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। उपरी असम के तिनसुकिया जिलांतर्गत ब्रह्मजान चाय बागान इलाके में बीती रात जंगली हाथियों के हमले में एक महिला एवं उसके पुत्र की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि बीती देर रात एक चाय बागान में जंगली हाथियों के झुंड ने प्रवेश कर एक घर पर हमला कर दिया, जिसमें एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई। यह घटना दुमदुमा फॉरेस्ट डिवीजन के पेंगरी इलाके में ब्रह्मजान चाय बागान में हुई, जब हाथियों का एक झुंड श्रमिकों के लाइन में घुस गया, जिसके चलते वहां रहने वालों में दहशत फैल गई। सूचना के अनुसार, हाथियों ने चाय बागान में काम करने वाले बुधन रौतिया (50) और उनकी मां अनीता रौतिया (70) के घर पर हमला किया। दोनों को उनके घर के अंदर ही हाथियों ने पैरों तले कुचलकर मार डाला।

असम कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता रातुल कालिता ने पार्टी छोड़ी

गुवाहाटी (हिंस)। असम में विधानसभा चुनावों के लिए अब महज कुछ ही दिन शेष है, इस बीच राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के वरिष्ठ नेताओं का पार्टी को छोड़ने का सिलसिला जारी है। ऐसे समय में जब सत्ताधारी दल भाजपा और अगप पूरे दमखम के साथ चुनावी प्रचार में जुटे हैं, उसी समय कांग्रेस के एक और नेता ने चुनाव के पूर्व कांग्रेस दल छोड़ दिया, जिससे राज्य में मुख्य विपक्षी दल असमंजस में पड़ गया है। कांग्रेस दल धीरे-धीरे संगठनात्मक रूप से कमजोर होता दिखाई दे रहा है। पूर्व एपीसीसी अध्यक्ष भूपेन बोरा के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद, कांग्रेस के एक के बाद एक नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं, इस बीच राहुल कलिता ने भी कांग्रेस छोड़ दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता राहुल कलिता के भाजपा में शामिल होने की संभावना है। आज सुबह ही एपीसीसी मुख्यालय राजीव भवन जाकर नेताओं से मिलने के बाद उन्होंने पार्टी छोड़ने की बात सोशल मीडिया पर की। कांग्रेस के सोशल मीडिया के विशेष दायित्व में भी राहुल कलिता थे। नलबाड़ी से इस बार कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में कलिता ने टिकट की दावेदारी की थी। टिकट न मिलने के बाद कलिता ने असंतोष व्यक्त किया। उसके बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का निर्णय लिया। पार्टी छोड़कर उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- पार्टी के बुरे दिनों में सबसे अधिक मेहनत करने वाले नेता और कार्यकर्ताओं को सम्मान और महत्व दें।

कांग्रेस गठबंधन बनाने में विफल, अखिल ने हताशा में लिखा पोस्ट *आखिरी कोशिश भी विफल*

गुवाहाटी (हिंस)। असम में विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर राज्य की सभी राजनीतिक पार्टियां अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हुई हैं। इस बीच सत्ताधारी दल भाजपा और मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस अपने-अपने गठबंधन को बड़ा स्वरूप देने के लिए भी कमर कस रही हैं। ऐसे में कांग्रेस पार्टी को गठबंधन तैयार करने में लगातार विफलता का सामना करना पड़ रहा है। एक समय विपक्षी खेमे में लगभग 10 पार्टियां थीं, वहीं आज मुख्य रूप से चार पार्टियों तक गठबंधन सिमटता नजर आ रहा है। कांग्रेसी गठबंधन से भाव न मिलने पर रायजोर दल के प्रमुख एवं शिवसागर से विधायक अखिल गोगोई ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए लिखा है कि *सर्वशेष्ठ चेष्टाओ व्यर्थ* (आखिरी कोशिश भी विफल)। इस छोटी सी बात ने राजनीतिक हलकों में कांग्रेस के साथ संभावित गठबंधन के बारे में बातचीत की स्थिति के बारे में विराम लगाने की अटकलों को हवा दे दी है। रायजोर दल प्रमुख का यह विचार ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस और कई विपक्षी पार्टियों ने घोषणा की है कि वे पूरे राज्य में संयुक्त प्रचार अभियान शुरू करेंगे। वहीं एक संवाददाता सम्मेलन में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष एवं सांसद गौरव गोगोई ने कहा है कि पार्टी अभी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्किसस्ट), असम जातीय परिषद और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कांफ्रेंस के साथ मिलकर एक बड़ा विपक्षी मोर्चा बनाने पर काम कर रही है। गौरव गोगोई ने कहा कि अखिल गोगोई की नेतृत्व वाली रायजोर दल समेत दूसरी पार्टियों के साथ भी बातचीत चल रही है, और उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में यह ग्रुप और बढ़ेगा। साथ ही संयुक्त रूप से प्रचार अभियान चलाने की बात कही। लेकिन, गौरव के इस मंसूबे पर पानी फिरता नजर आ रहा है। विपक्षी गठबंधन ने अभी तक अपनी सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप नहीं दिया है, हालांकि कुछ सीटों पर दोस्ताना मुकाबले की उम्मीद है। कांग्रेस ने पहले ही 42 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस गठबंधन में शामिल एजेपी के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने कहा है कि चारों पार्टियों ने यह मैसेज देने के लिए हाथ मिलाया है कि वे भारतीय जनता पार्टी को हराने की अपनी कोशिश में एकजुट हैं। जबकि, सीपीआई (एम) के राज्य सचिव सुप्रकाश तालुकदार ने गठबंधन को एक *अच्छी शुरुआत* बताया जिसे मजबूत करने की जरूरत है, जबकि एपीएचएलसी प्रमुख जोन्स इंग्ती कथार ने कहा कि इस कदम का मकसद लोगों, खासकर पहाड़ी इलाकों में, की दिक्कतों को दूर करना है। 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा में, भाजपा के पास अभी 64 सीटें हैं, जबकि उसके सहयोगी दलों ङ्क असम गण परिषद, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल और बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट के पास क्रमशः नौ, सात और तीन विधायक हैं।

विधायक भवेश कलिता ने 300 मरीजों के बीच 50 लाख रुपए के चेक वितरित किए

रंगिया (विभास)। रंगिया विधानसभा क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर 300 मरीजों को जटिल बीमारियों के उन्नत इलाज के लिए शनिवार को *मुख्यमंत्री सहायता कोष* के तहत चेक वितरित किए गए। इस मौके पर कुल 50 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। रंगिया के विधायक विधायक भवेश कलिता ने सोमवार को हरदत्त-वीरदत्त भवन में आयोजित कार्यक्रम के तहत यह चेक वितरित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कलिता ने कहा कि सरकार की इस योजना से जटिल रोगों से जूझ रहे आम लोगों को आर्थिक सहायता मिलेगी, जिससे वे बेहतर इलाज का लाभ उठा सकेंगे। इस अवसर पर स्थानीय सांसदीय कार्यकारी समिति के सदस्य, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और मरीजों के परिजन उपस्थित रहे। बताया गया है कि ऐसे प्रयासों से रंगिया के स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है, जो स्थानीय लोगों के जीवन को सरल बनाएगा।

देश को मजबूत बनाने में महिलाओं की भूमिका सराहनीय : राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से एक दिन पूर्व असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने नौ जानी-मानी महिलाओं को प्राग प्रेरणा पुरस्कार-2026 दिए, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में शानदार योगदान दिया है। ये पुरस्कार शनिवार को शहर के एक होटल में आयोजित समारोह में दिए गए। इस अवसर पर राज्यपाल ने समारोह का हिस्सा होने पर गर्व व्यक्त करते हुए सभी पुरस्कार विजेताओं को अपनी हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम रचनात्मकता, राष्ट्रीय भावना और सांस्कृतिक उत्कृष्टता का एक जीवंत उत्सव था। उन्होंने प्राग टीवी की प्रशंसा की कि उन्होंने प्राग प्रेरणा पुरस्कारों के माध्यम से एक प्रेरणादायक मंच बनाया, ताकि उन महिलाओं को मान्यता और सम्मान दिया जा सके जिनका उत्कृष्ट कार्य समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता रहता है। कार्यक्रम की सराहना करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाना विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह दिन समाज को महिलाओं की मानवता, राष्ट्र और सभ्यता की प्रगति में अमूल्य भूमिका की याद दिलाता है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से प्रेरणा लेते हुए, राज्यपाल ने कहा कि भारतीय परंपरा में शिव और शक्ति को समान महत्व दिया गया है, जो ब्रह्मांड और सामाजिक व्यवस्था में महिलाओं की अनिवार्य भूमिका का प्रतीक है। वेदों, उपनिषदों और महाकाव्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को हमेशा शक्ति, करुणा और ज्ञान के स्रोत के रूप में सम्मानित किया गया है। भारतीय संस्कृति में, पार्वती, दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती जैसी देवियां पोषण शक्ति, नैतिकता और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो महिलाओं को दिए जाने वाले गहरे सम्मान को उजागर करती हैं। उन्होंने कहा कि पूरे इतिहास में, महिलाओं ने अपने ज्ञान और संकल्प की शक्ति के माध्यम से समाज को प्रगति की ओर मार्गदर्शित किया है। समकालीन युग में भी, महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, कला, प्रशासन, उद्यमिता, खेल और सामाजिक सेवा में नए मील के पत्थर हासिल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अवसर और भरोसा मिलने पर, महिलाएं लगातार अपनी क्षमताओं को साबित कर सकती हैं और चुनौतियों को उपलब्धियों में बदल सकती हैं। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का भी उल्लेख किया, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि महिलाओं का सशक्तिकरण, विकसित भारत बनाने के मिशन का केंद्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं को राष्ट्र की शक्ति के रूप में वर्णित किया है, यह रेखांकित करते हुए कि सशक्त, सुरक्षित और स्वतंत्र महिलाएं देश के विकास के लिए आवश्यक हैं। पूर्वोत्तर की महिलाओं, विशेष रूप से असम की महिलाओं में विशेष गर्व व्यक्त करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि वे अपने कौशल, समर्पण और सहनशीलता के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सामाजिक और आर्थिक भागीदारी प्रेरणा का स्रोत है, और यह जोड़ते हुए कि क्षेत्र के कई हिस्सों में मातृसत्तात्मक परंपराएं महिलाओं और उनके निर्णय लेने की भूमिका के प्रति गहरी जड़ें वाली सांस्कृतिक सम्मान को दर्शाती हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्राग प्रेरणा पुरस्कारों का उद्देश्य उन महिलाओं को मान्यता देना है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं और भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बन रही हैं।

धिंग प्रेस क्लब की आम सभा संपन्न, नई समिति गठित

नगांव (निसं)। उत्तर-पश्चिम नगांव के सबसे पुराने पत्रकार संगठन धिंग प्रेस क्लब की आम सभा शनिवार को आयोजित की गई। प्रेस क्लब के सभागार में वरिष्ठ पत्रकार करुणा बोरा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में पुरानी समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया। नई समिति में वरिष्ठ पत्रकार बास्वार उल्लाह मुजद्दादी को अध्यक्ष और दिव्यज्योति दास को महासचिव चुना गया। रफीकुल इस्लाम को कार्यकारी अध्यक्ष, इंद्रेश्वर नाथ को उपाध्यक्ष, प्रफुल्ल बोरा को सहायक सचिव, द्वीप ज्योति काकति को पत्रिका संपादक, उत्पल सइकिया को प्रचार सचिव और नवज्योति सइकिया को कार्यालय सचिव बनाया गया। इसके अलावा करुणा बोरा, राजीव नेउग, तरुण बोरा, प्रांजल बोरा, सैदुल इस्लाम, रशीदुल इस्लाम और जयदेव दास को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल करते हुए 16 सदस्यीय नई समिति का गठन किया गया। वहीं इस समिति में शिक्षाविद् डॉ. विमान हाजरिका और दैनिक अग्रदूत के स्टाफ रिपोर्टर पत्रकार हेमेन कुमार दास को सलाहकार के रूप में मनोनीत किया गया।

रंगिया : एसएसबी के 24वें बटालियन ने किया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

रंगिया (विभास)। रंगिया के मोरानजना स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 24वीं बटालियन प्रांगण में शनिवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। कमांडेंट एचके गुप्ता के निर्देशन और संदीक्षा परिवार की अध्यक्षा श्रीमती संजना गुप्ता के नेतृत्व में यह शिविर बटालियन चिकित्सालय प्रांगण में आयोजित हुआ। समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रंगिया के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पदमेश्वर कलिता और उनकी टीम द्वारा जांच की, जबकि डॉ. डोमा लाचेनपा, कमांडेंट (चिकित्सा) एसएसबी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। बताया गया है कि शिविर का उद्देश्य बटालियन के कार्मिकों, उनके परिजनों और संदीक्षा परिवार के सदस्यों के नेत्र स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक परामर्श व उपचार प्रदान करना था। शिविर के दौरान आधुनिक उपकरणों से आंखों की विस्तृत जांच की गई। वहीं समस्याग्रस्त व्यक्तियों को चिकित्सकीय सलाह और दवाइयां वितरित की गईं। चिकित्सकों ने आंखों की देखभाल, संतुलित आहार और नियमित जांच के महत्व पर सभी को जागरूक किया। कमांडेंट श्री गुप्ता ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए नियमित जांच जरूरी है। ऐसे शिविर कार्मिकों व परिवारों के लिए लाभकारी हैं। भविष्य में भी इन्हें जारी रखेंगे। शिविर में बटालियन के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, जवान, परिजन और संदीक्षा परिवार के सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया। बटालियन चिकित्सालय स्टाफ, सीएचसी रंगिया के चिकित्सकों और संदीक्षा परिवार के योगदान की सराहना की गई।

बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा परिवार पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय (बीयू) के अंग्रेजी विभाग में हाल ही में *भारतीय भाषा परिवार* 8वीं अनुसूची के तहत भारतीय भाषाओं का संवाद विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का सफल आयोजन किया गया। नई दिल्ली स्थित शिक्षा मंत्रालय के *भारतीय भाषा समिति* द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में देश-विदेश के शिक्षाविदों ने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन पर गहन चर्चा की। इस सेमीनार का समन्वय अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष और भाषा संकाय के डीन प्रो. प्रदीप कुमार पात्रा (स्थानीय समन्वयक) तथा भारतीय भाषा समिति के प्रो. सुशील शर्मा (राष्ट्रीय समन्वयक) द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीएल आहूजा ने मुख्य अतिथि के रूप में सेमीनार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा प्रकाशित *भारतीय भाषा परिवार* पर आधारित दो पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। सेमीनार में दिल्ली विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर रमेश चंद्र शर्मा और प्रकाश चंद्र पटनायक, नालंदा विश्वविद्यालय के प्रो. श्रवण के. शर्मा, मणिपुर विश्वविद्यालय के प्रो. एरोम गंभीर सिंह और रूस की रोस्तोव स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स से डॉ. ओल्गा ग्लुखोवा (ऑनलाइन) सहित नेपाल और भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। सेमीनार के दौरान कुल 40 से अधिक शोध पत्र (ऑनलाइन और ऑफलाइन) प्रस्तुत किए गए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों और छात्रों के बीच अपनी मातृभाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और भारतीय भाषाओं को सीखने के प्रति एक सकारात्मक वातावरण तैयार करना था। कार्यक्रम ने न केवल भाषाई समझ विकसित की, बल्कि देशभर से आए विद्वानों के बीच आपसी भाईचारे की भावना को भी सुदृढ़ किया।

लामडिंग में चोरी की सामग्री के साथ चोर गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई जिलांतर्गत लामडिंग में दिन-ब-दिन बढ़ते चोरी के आतंक के बीच, लामडिंग में चोरी की सामग्री के साथ एक शातिर चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। स्थानीय लोगों ने चोरी के गैस सिलेंडर के साथ सानू नाम के एक शातिर चोर को पकड़ा। पूछताछ के बाद चोर को लोगों ने पुलिस को सौंप दिया। गिरफ्तार चोर ने पूछताछ में अपने अपराध को स्वीकार कर लिया। लीला रानी मजूमदार नामक एक गरीब महिला के घर का ताला तोड़कर सानू नामक चोर ने गैस सिलेंडर चुराया था। चोर ने गैस सिलेंडर चोरी करके गुर बस्ती निवासी गीता दास नामक महिला को 1500 रुपए में बेच दिया था। शातिर चोर सानू पर पहले भी चोरी के आरोप लगते रहे हैं। सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पुलिस पहुंची और चोर को अपनी कस्टडी में लेकर आगे की जांच के लिए थाने ले गई। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

संपादकीय

नीतीश अचानक राज्यसभा!

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अचानक राज्यसभा में जाने का निर्णय क्यों किया है? वह 105 दिन पहले ही 10वीं बार मुख्यमंत्री बने थे। वह 19 साल 4 माह इस पद पर रहे और अब भी 15 अप्रैल तक मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। नया जनादेश भाजपा-जद (यू) और एनडीए को मिला था। विपक्षी राजद को करारी पराजय देकर सत्ता बरकरार रखी गई थी। मुख्यमंत्री की जिस कुर्सी के लिए नीतीश ने 'पलटूराम' जैसे विशेषण को भी झेल लिया था, उस कुर्सी को अचानक छोड़ने की इच्छा क्यों जताई है? इन सवालों के जवाब तो नीतीश या भाजपा नेतृत्व ही दे सकते हैं, लेकिन यह विस्फोटक राजनीतिक खबर है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे 'राजनीतिक अपहरण' करार दिया है। अब बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? यह एक सामान्य सवाल है। निश्चित है कि भाजपा का बीते 20 सालों से संचित सपना साकार होने जा रहा है। नीतीश के बेहद करीबी नेता एवं पूर्व सांसद केसी त्यागी तक ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। बहरहाल बिहार में चुनाव के दौरान भी नीतीश उम्रदराज और अस्वस्थ थे। विपक्ष के आरोपों को छोड़िए, लेकिन ऐसे कई क्षण सार्वजनिक हुए हैं, जब लगा कि नीतीश मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं! यदि जनादेश मिलने और मुख्यमंत्री बनने के 105 दिनों के बाद ही पद छोड़ कर राज्यसभा में जाने की इच्छा व्यक्त करनी थी, तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की शपथ ही न लेते। सत्ता के नए पांच साल नीतीश को मिले थे। बढ़ती उम्र और गिरते स्वास्थ्य के बावजूद वह आराम से सरकार चला सकते थे। जनता ने जिन वायदों के आधार पर जनादेश हासिल किया था, उन्हें पूरा करने के प्रयास कर सकते थे। यदि अब राज्यसभा में जाकर उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया जाता है, तो उनके पास मंत्रालय, सरकार का नीतिगत एजेंडा, मंत्रालय के रोजमर्रा के दायित्व भी होंगे। यदि नीतीश मुख्यमंत्री बने रहने में असहज, असमर्थ थे, तो वही स्थितियां केंद्रीय मंत्री बनने पर भी होंगी। फिर उन्होंने यह फैसला क्यों किया? अथवा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें बाध्य किया है? सवाल यह भी है कि अब केंद्रीय मंत्री बनकर नीतीश क्या साबित करेंगे? वह केंद्र सरकार में कृषि, रेल, सडक़ परिवहन मंत्री रह चुके हैं। नीतीश 6 बार सांसद चुने गए और 6 साल तक केंद्रीय मंत्री रहे। प्रधानमंत्री मोदी उन्हें गृह, वित्त, विदेश, रक्षा जैसे अहम मंत्रालय तो दे नहीं सकते, क्योंकि वहां उनके विश्वास-पात्र मंत्री विराजमान हैं। क्या प्रधानमंत्री नीतीश के लिए उपप्रधानमंत्री के पद का सृजन कर सकते हैं? हमें तो इसके आसार भी नगण्य लगते हैं। फिर नीतीश ने जनादेश को धोखा क्यों दिया है? मझधार में क्यों छोड़ा है? जद-यू के उन राजनीतिक कार्यकर्ताओं को रोने-बिलखने और सडक़ पर प्रदर्शन करने को क्यों छोड़ दिया है, जो अपने शीर्षस्थ नेता के बिना नहीं रह सकते, जो छला-ठगा महसूस कर रहे हैं? अभी तक माना जाता रहा है कि नीतीश पर कोई दबाव नहीं डाल सकता और न ही कोई उन्हें बाध्य कर सकता है, लेकिन यह निर्णय उनका अपना नहीं लगता, बेशक उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट लिखी है। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी या गृहमंत्री अमित शाह के स्तर पर ही बाध्य किया गया लगता है कि अब आप दिल्ली चले आइए और राष्ट्रीय राजनीति में योगदान दीजिए। मुख्यमंत्री पद भाजपा को मिलना चाहिए। हमारा सवाल यह भी है कि यदि नीतीश केंद्र में सक्षम और सक्रिय रहेंगे, तो मुख्यमंत्री के तौर पर क्या दिक्कत थी? कुछ भी व्याख्या कर लें, लेकिन बिहार का मौजूदा जनादेश नीतीश के चेहरे और विजन पर ही दिया गया था। भाजपा ने 89 और जद-यू ने 85 सीटें जीतीं। नीतीश ने जिस तरह बेदाग, निर्विवाद, समावेशी, समाजवादी न्याय, अति पिछड़ों और महिलाओं की राजनीति 45 लंबे सालों तक की है, वह अद्वितीय रही है। उनके करीब 20 साल के मुख्यमंत्री काल में बिहार बदला है, लेकिन आज भी वह सबसे गरीब राज्य है और उस पर 3.61 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है, लिहाजा भाजपा मुख्यमंत्री के सामने गंभीर चुनौतियां होंगी। चुनाव में जो वादे किए गए थे, उन्हें भी निभाना होगा। लगता है भाजपा अब कुछ बदलाव करना चाहेगी, ताकि जनता का विश्वास कायम रखा जा सके। वैसे बिहार को केंद्र से काफी मदद पहले भी मिली है और अब भी मिलने की संभावनाएं हैं। बहरहाल, बिहार में कुछ बदलाव देखने को मिलेगा।

> मुख्यमंत्री की जिस कुर्सी के लिए नीतीश ने 'पलटूराम' जैसे विशेषण को भी झेल लिया था, उस कुर्सी को अचानक छोड़ने की इच्छा क्यों जताई है? इन सवालों के जवाब तो नीतीश या भाजपा नेतृत्व ही दे सकते हैं, लेकिन यह विस्फोटक राजनीतिक खबर है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे 'राजनीतिक अपहरण' करार दिया है। अब बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? यह एक सामान्य सवाल है। निश्चित है कि भाजपा का बीते 20 सालों से संचित सपना साकार होने जा रहा है। नीतीश के बेहद करीबी नेता एवं पूर्व सांसद केसी त्यागी तक ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। बहरहाल बिहार में चुनाव के दौरान भी नीतीश उम्रदराज और अस्वस्थ थे। विपक्ष के आरोपों को छोड़िए, लेकिन ऐसे कई क्षण सार्वजनिक रूप से हुए हैं, जब लगा कि नीतीश मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। यदि जनादेश मिलने और मुख्यमंत्री बनने के 105 दिनों के बाद ही पद छोड़ कर राज्यसभा में जाने की इच्छा व्यक्त करनी थी, तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की शपथ ही न लेते। सत्ता के नए पांच साल नीतीश को मिले थे। बढ़ती उम्र और गिरते स्वास्थ्य के बावजूद वह आराम से सरकार चला सकते थे।

अमेरिकी स्टेल्थ जेट्स ने ईरानी परमाणु ठिकानों फोरदो, इस्फहान और नातांज पर भारी बमबारी की

मजबूत सैन्य-रणनीति का हिस्सा हैं परमाणु हथियार

प्रमोद भार्गव

अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच युद्ध आरंभ हो गया है। लेकिन अब यह युद्ध मात्र तीन देशों के बीच न रहकर वैश्विक युद्ध की श्रेणी में बदलता दिख रहा है। क्योंकि ईरान ने कई अरब देशों पर ड्रोन हमले करके बड़ी तबाही मचा दी है। इधर अमेरिकी स्टेल्थ जेट्स ने ईरानी परमाणु ठिकानों फोरदो, इस्फहान और नतांज पर भारी बमबारी की है। इस हमले की पुष्टि करते हुए अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के ईरानी प्रतिनिधि रेजा नजफी ने दावा किया है कि 'अमेरिका और इजरायल की संयुक्त सैन्य कार्यवाही में ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया है। जबकि यहाँ शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर काम हो रहा है। बमबारी के बाद इन ठिकानों से परमाणु रिसाव का खतरा बढ़ गया है। यह रिसाव पूरी दुनिया के लिए संकट बन सकता है।' हालांकि आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने इस तरह के किसी हमले की जानकारी से मना किया है। जबकि अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि ईरान परमाणु बम बना रहा है। इसलिए इस कार्यक्रम पर नियंत्रण जरूरी है। नतांज ईरान का सबसे पुराना परमाणु संयंत्र है। यहाँ दो यूरेनियम संवर्धन संयंत्र स्थापित हैं। यहीं पर जून 2025 में अमेरिका ने हमला किया था। अमेरिका ने इस हमले को जायज ठहराते हुए कहा था कि ईरान इस संयंत्र में परमाणु बम बनाने के लायक यूरेनियम संवर्धन कर रहा था। अब इजरायल के साथ परमाणु ठिकानों पर हमले करके वैश्विक संकट बढ़ा दिया है। यह संकट इसलिए भी बड़ा आकार लेता जा रहा है, क्योंकि ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कुवैत, कतर पर भी हमले बोल दिए हैं। ये सब वे मुस्लिम देश हैं, जिनमें अमेरिका के या तो हवाई सैन्य अड्डे हैं, या वे अमेरिका के हमदर्द बने हुए हैं। ईरान ने दुबई पर हमले इसलिए किए हैं, क्योंकि वहाँ अमेरिकी कंपनियाँ कार्यरत हैं। इस युद्ध में ट्रंप दादागिरी की भूमिका में हैं। उनके अहंकार का ज्ञान तभी हो गया था, जब उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उनके घर से बिना कोई युद्ध किए उठा लिया था। इजरायल और ईरान लंबे समय से एक-दूसरे के कट्टर शत्रु हैं। अतएव ईरान की ओर से जब भी खतरे की आशंका होती है, इजरायल अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए ईरान पर हमला बोल देता है। इसलिए यह कहना स्वाभाविक है कि इजरायल-अमेरिका ने यह हमला एक व्यापक और लंबे समय तक चलने वाले रणनीतिक अभियान के अंतर्गत किया है। ट्रंप बोल भी चुके हैं कि यह लड़ाई एक माह से अधिक खिंच सकती है। इस बीच ईरान पर बड़ी कार्यवाही भी संभव है। यानी यह आशंका बनी हुई है कि अमेरिका ईरान के परमाणु ठिकानों को तो नेस्तनाबूद कर ही सकता है, तेहरान पर परमाणु हमला भी कर दे तो कोई हैरानी नहीं होगी? दरअसल ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए यह संयुक्त हमला किया गया है। अमेरिका और इजरायल को आशंका है कि ईरान ने यूरेनियम संवर्धन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह ऐसी प्रक्रिया है, जो परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाती है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत यूरेनियम-235 के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाता है। अतएव इजरायल के लिए ईरान का परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाना चिंता की स्थिति उत्पन्न करने वाली बात है। दरअसल, परमाणु हथियार संपन्न देश होना एक ऐसी सैन्य रणनीति है, जिसके चलते दूसरे देश परमाणु संपन्न देश पर हमला करने से कतराते हैं। इसका बुनियादी कारण है कि यदि कोई देश शत्रु देश पर परमाणु हमला करता है तो जवाबी कार्यवाही में उसे भी परमाणु हमले का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा होता है तो दोनों देशों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। रूस ने यूक्रेन पर आसानी से इसलिए हमला बोल दिया था, क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। रूस और अमेरिका के बहकावे में आकर उसने अपने परमाणु हथियार, परमाणु निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद समुद्र में नष्ट कर दिए थे। इसका खामियाजा उसे खत्म नहीं होने वाले युद्ध के रूप में भुगतना पड़ रहा है। ईरान परमाणु संपन्न देश न बन जाए, इसलिए उस पर अमेरिका ने लंबे समय से परमाणु संबंधी प्रतिबंध लगाए हुए थे। परंतु बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका और ईरान के बीच एक परमाणु समझौता हुआ और ईरान से परमाणु प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए थे। तब भी इजरायल ने इस समझौते का खुला विरोध किया था। नेतन्याहू ने यहाँ तक कहा था कि यह संधि एक ऐतिहासिक भूल है। किंतु उस समय इस संधि को ओबामा की बड़ी उपलब्धि बताकर वैश्विक श्रेय लूटा गया था। ईरान और इजरायल के बीच तनाव लंबे समय से चला आ रहा है। लेकिन इन देशों ने लंबे समय तक छद्म युद्ध लड़ा है। परंतु जब 1 अप्रैल 2024 को इजरायल ने सीरिया पर हमला किया था तब ईरान ने इजरायल पर सीधा हमला बोला था। क्योंकि इस लड़ाई में ईरान समर्थित इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद रजा जाहेदी समेत 8 अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इस हमले के जवाब में अप्रत्याशित रुख अपनाते हुए लगभग 320 ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। ईरान इजराइल से करीब 1800 किमी की दूरी पर स्थित होने के बावजूद हमला करने में सफल रहा। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इजरायल से लंबी दुश्मनी के चलते पहली बार यह सैन्य हमला किया था। इस लड़ाई में इजरायल को अमेरिका ने खुली सामरिक मदद की थी। इस संदर्भ में ईरान ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा था कि उसने यदि अब इजरायल की मदद की तो नतीजा भुगतने को तैयार रहे। ईरान ने यह पलटवार इसलिए भी किया था, जिससे मध्य-पूर्व की राजनीति में उसके वर्चस्व की महिमा को स्वीकार लिया जाए। यदि वह जवाबी हमला नहीं बोलता तो इजरायल और अमेरिका के खिलाफ खामेनेई की जो धारणा है, वह ध्वस्त हो जाती। दरअसल ईरान इजरायल के अस्तित्व को ही स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि इजरायल ने मुस्लिमों की जमीन पर कब्जा कर रखा है।चुनाव परिणाम कवरेज बराक ओबामा के कार्यकाल में ईरान से हुए परमाणु समझौते के तहत शर्त थी कि ईरान 300 किलोग्राम से ज्यादा यूरेनियम अपने पास नहीं रख सकेगा। ईरान अपनी परमाणु सेंट्रीफ्यूज प्रयोगशालाओं में दो तिहाई यूरेनियम का 3.67 फीसदी भाग ही रख सकेगा। यह शर्त इसलिए लगाई गई थी, जिससे ईरान परमाणु बम नहीं बना पाए। दरअसल यूरेनियम की प्राकृतिक अवस्था में 20 से 27 प्रतिशत ऐसे बदलाव करने होते हैं, जो यूरेनियम को खतरनाक परमाणु हथियार में तब्दील कर देते हैं। ईरान यूरेनियम में परिवर्तन की तकनीक बहुत पहले हासिल कर चुका है। इसी शंका के चलते 300 किलोग्राम से अधिक यूरेनियम नहीं रखने की बाध्यकारी शर्त मानने के लिए मजबूर कर दिया था। लेकिन 2025 में आई रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा माना गया कि ईरान के पास बड़ी मात्रा में संवर्धित यूरेनियम है, जिससे कई घातक परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं। इजरायल अपने अस्तित्व के लिए किसी भी हाल में नहीं चाहता कि ईरान परमाणु संपन्न देश बन जाए। इजरायल की इस मंशा का समर्थन शक्तिशाली देश अमेरिका और उसके तानाशाह की भूमिका में आए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी करते हैं। दोनों देशों की इसी संयुक्त मंशा का परिणाम यह एक ऐसा युद्ध है, जो अब परमाणु नियंत्रण के बहाने धर्म, तेल, गैस और क्षेत्रीय रणनीति की ऐसी कुटिल चालों में उलझता दिखाई दे रहा है, जो विश्व को महाविनाश की ओर ले जा सकता है?

> अमेरिका ने इस हमले को जायज ठहराते हुए कहा था कि ईरान इस संयंत्र में परमाणु बम बनाने के लायक यूरेनियम संवर्धन कर रहा था। अब इजरायल के साथ परमाणु ठिकानों पर हमले करके वैश्विक संकट बढ़ा दिया है। यह संकट इसलिए भी बड़ा आकार लेता जा रहा है, क्योंकि ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कुवैत, कतर पर भी हमले बोल दिए हैं। ये सब वे मुस्लिम देश हैं, जिनमें अमेरिका के या तो हवाई सैन्य अड्डे हैं, या वे अमेरिका के हमदर्द बने हुए हैं। ईरान ने दुबई पर हमले इसलिए किए हैं, क्योंकि वहाँ अमेरिकी कंपनियाँ कार्यरत हैं। इस युद्ध में ट्रंप दादागिरी की भूमिका में हैं। उनके अहंकार का ज्ञान तभी हो गया था, जब उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उनके घर से बिना कोई युद्ध किए उठा लिया था। इजरायल और ईरान लंबे समय से एक-दूसरे के कट्टर शत्रु हैं। अतएव ईरान की ओर से जब भी खतरे की आशंका होती है, इजरायल अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए ईरान पर हमला बोल देता है। इसलिए यह कहना स्वाभाविक है कि इजरायल-अमेरिका ने यह हमला एक व्यापक और लंबे समय तक चलने वाले रणनीतिक अभियान के अंतर्गत किया है।

देश | दुनीया से

न्याय निष्पक्षता के महत्व की रक्षा हो

अब यह बात पुरानी नहीं बल्कि बहुत पुरानी लगती है। सातवीं या आठवीं कक्षा में पढ़ता था मैं। सामूहिक गीत गवाये जाने की प्रथा थी तब स्कूल में। दो ऐसे गीतों की पंक्तियां मुझे आज, सत्तर-पचहत्तर साल बाद, भी याद हैं, अच्छी लगती थीं मुझे यह पंक्तियां। एक कविता में नया ज़माना लाने की बात कही गयी थी– 'दे वरदान हमें माता हम निकले आन निभाने को... जहां बेटियां बिकती हैं, बेटों का मोल किया जाता... ऐसे समाज के ढांचे की हम निकले नींव हिलाने को...' और एक कविता थी– 'मेरा देश कि जिसकी मिट्टी सोना उगले, और जहां की भूखी जनता मिट्टी निगले... न्याय दास है यहां करेंसी के नोटों का, शासन भिखमंगा है जनता के वोटों का...।' आज न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर देश में एक विवाद-सा चल रहा है। हुआ यह है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की आठवीं कक्षा की एक पुस्तक में देश की न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक से एक पाठ शामिल किया गया था। उच्चतम न्यायालय ने इस पर आपत्ति उठायी है। उन्हें लग रहा है कि आठवीं कक्षा के बच्चों को यह सब बताने से उनके कोमल मस्तिष्क पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। न्यायपालिका के बारे में उनके मन में गलत अवधारणा बन सकती है। तर्क यह दिया जा रहा है कि आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले बालक की बुद्धि इतनी परिपक्व नहीं होती कि वह मुद्दे की गहराई को समझ सके। न्यायालय ने आठवीं कक्षा की इस पुस्तक को प्रतिबंधित कर दिया है और एनसीईआरटी ने भी अपनी 'ग़लती' के लिए क्षमा मांग कर पुस्तक की बिक्री पर रोक लगा दी है। मैंने पुस्तक का यह विवादास्पद अध्याय नहीं पढ़ा है, पर इसके बारे में जितना कुछ मीडिया में आया है उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना गलत नहीं होगा कि उच्चतम न्यायालय को यह आशंका है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में दी गयी जानकारी से आठवीं में पढ़ने वाले बालक की बाल-बुद्धि पर गलत प्रभाव पड़ेगा। जब बाल-बुद्धि वाली यह बात मैंने पढ़ी तो अनायास मुझे वे दो कविताएं याद आ गयीं, जिनकी चर्चा आलेख के प्रारंभ में की गयी है। मैं सोच रहा हूं कि क्या सचमुच इन कविताओं को पढ़कर मेरे मन में 'जर्जर समाज' या 'करेंसी नोटों की दास न्यायपालिका' के बारे में कोई ऐसी धारणा बन गयी थी जिसे ग़लत कहा या समझा जा रहा है? सच कहूं तो आठवीं कक्षा की अपनी पढ़ाई के दौरान और आज उसके लगभग सत्तर साल बाद भी, और उस कविता को पसंद करने के बावजूद, न्यायपालिका के महत्व को मैंने कभी कम नहीं आंका, और न ही कभी मुझे ऐसा लगा कि न्यायपालिका के बारे में मेरे मन में सम्मान कहीं कम हुआ है। जिन चार स्तंभों पर हमारा जनतंत्र टिका है, उनमें संभवतः सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है हमारी न्यायपालिका और आरोपों और अपवादों के बावजूद आज भी न्यायपालिका पर देश का भरोसा कम नहीं हुआ है। न्यायपालिका की कार्यप्रणाली और उसकी निष्पक्षता को लेकर सवाल भले ही उठते रहे हों, पर इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि कुल मिलाकर हमारी न्यायपालिका देश की जनता को एक भरोसा देती है। यह भरोसा बना रहे शायद यही मंशा रही होगी उच्चतम न्यायालय की जब उसने एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब के एक अध्याय पर सवालिया निशान लगाया। ऐसा नहीं है कि एनसीईआरटी की किताबों पर पहले कभी सवाल नहीं उठे। कई बार हुआ है ऐसा। कई बार इन किताबों में शामिल सामग्री विवादों के घेरे में आयी है। छोटी कक्षाओं में पढ़ाई जाने वाली यह किताबें हमारी भावी पीढ़ी का निर्माण करती हैं। इनकी निष्पक्षता और इनके महत्व की रक्षा होनी ही चाहिए। पर जहां तक न्यायपालिका के सम्मान और प्रतिष्ठा का सवाल है, इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। न्यायपालिका के प्रति पूरा सम्मान रखने के बावजूद इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि न्याय-व्यवस्था से जुड़े व्यक्ति भी उसी समाज से आते हैं जिसका हम सब हिस्सा हैं। यह कौन कह सकता है कि हमारा समाज शत-प्रतिशत ईमानदार है? कचरा यदि कहीं है तो उसे कार्पेट के नीचे छुपा देने से सफाई नहीं हो जाती। कचरे के अस्तित्व को स्वीकार करना होगा, तभी सफाई की आशा की जा सकती है। हमारे न्यायालय में विभिन्न स्तरों पर लाखों मामले लंबित पड़े हैं। हमें स्वीकार करना होगा कि न्याय मिलने में देरी का मतलब न्याय न मिलना ही होता है। हकीकत यह भी है कि ऐसे मामलों की संख्या घटने के बजाय लगातार बढ़ती ही जा रही है। न्यायपालिका को स्वयं सोचना होगा कि यह कैसे सुधरे। रहा सवाल कुछ न्यायाधीशों पर भ्रष्टाचार के आरोपों का, तो हमें यह स्वीकारना होगा कि कुछ स्तरों पर खामियां हैं, भ्रष्टाचार है। लोकसभा में रखे गये आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में यानी सन् 2016 से सन् 2025 तक मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ 8600 से अधिक शिकायत दर्ज की गयी हैं। इन शिकायतों में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से मिली भारी मात्रा में नकदी का मामला शामिल है। अदालत में जनता का विश्वास बना रहे, इसके लिए ज़रूरी है कि ऐसे मामलों का निपटारा जल्दी से जल्दी हो। भ्रष्टाचार का मतलब सिर्फ नकद रिश्वत ही नहीं होता। मनवांछित निर्णय पाने के लिए राजनीतिक दबाव भी भ्रष्टाचार की श्रेणी में ही आता है। उच्च अदालतों में मामले अपने मनचाहे न्यायाधीशों के समक्ष ही आयें, इसके लिए होने वाली कोशिशें भी इसी श्रेणी में आती हैं। सिर्फ न्याय होना ही पर्याप्त नहीं होता, न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। यहां एक और आंकड़ा भी मुद्दे की गंभीरता को समझने में मदद कर सकता है। सन् 2007 में जारी 'ग्लोबल करप्शन रिपोर्ट' के अनुसार भारत में किए गये जनमत-सर्वेक्षण में 77 प्रतिशत लोगों ने न्याय व्यवस्था पर अविश्वास जताया था। इस बात की आशा की जानी चाहिए कि आज यह स्थिति बेहतर होगी, और यह भी संभव है कि विश्व में भ्रष्टाचार की तुलना में हमारी स्थिति बेहतर हो, पर इस आंकड़े से यह संकेत तो लिया ही जाना चाहिए कि देश की जनता न्याय-व्यवस्था में कदाचार की स्थिति से अवगत भी है और चिंतित भी। यह संभव है कि आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की बाल-बुद्धि भ्रष्टाचार के मामले की गंभीरता को न समझे, या फिर कुछ ग़लत निष्कर्ष भी निकाल ले। पर इससे स्थिति की गंभीरता कम नहीं होती कि हमारी न्याय-व्यवस्था में कहीं कुछ बहुत बड़ी खामी घुसपैठ करती दिख रही है। यदि आठवीं कक्षा में मेरी पीढ़ी न्याय की करेंसी के नोटों का दास वाली बात कुछ-कुछ समझ सकती है तो आज की पीढ़ी तो कहीं अधिक समझदार है। इंटरनेट और कृत्रिम मेधा वाले समय में बच्चों से कुछ छिपाकर नहीं, बच्चों को बहुत कुछ बताकर ही उनके साथ न्याय किया जा सकता है। एनसीईआरटी की किताब में बच्चों को क्या बताया गया है, पता नहीं, पर इतना अवश्य पता है कि भरी दोपहर में आंख बंद कर लेने से रोशनी अंधेरे में नहीं बदल जाती। सवाल सच को जानने और उसके अनुरूप आवश्यक कार्रवाई के लिए स्वयं को तैयार करने का है।

आप का | नजरीया

कांग्रेस के पटल पर अनुराग

खुद को चमकृत करते हिमाचल के मुख्यमंत्री फिर खेले और प्रदेश में बिखरी सियासत को सतर्क और हैरान किया। अनुराग शर्मा का दांव खेल कर वह पिछले घाव मिटाने के अलावा नई लिखावट में राज्यसभा का मंच सजा रहे हैं। अनुराग शर्मा के राजनीतिक कैरियर को लगातार दूसरी पदोन्नति देते हुए वह कई अरमानों पर कुठाराघात करते हैं। कांग्रेस के बेहतर पटल पर वह एक ऐसे व्यक्ति का नाम लिखते हैं, जो उनकी सियासी बुलंदी का परचम सरीखा। राज्य में कांग्रेस का ताज और तख्त संभाले मुख्यमंत्री फिर साबित करते हैं कि उनका साम्राज्य एकछत्र है और इसीलिए हिमाचली टोपी पहने और दिग्गज कांग्रेसी नेता घुटनों के बल आ गए। राज्यसभा चुनाव की गोटियां खेलने वाले कई राष्ट्रीय नेता पलक झपकते रह गए और मुख्यमंत्री सारे नाटक पर पर्दा गिरा कर, अपना शो दिखा गए। जाहिर है यह सुखविंदर सिंह सुक्खू का शो है, जहां कई नेता हाथ मलते रह गए। इस तरह वह कांग्रेस की संस्कृति बदलते हुए अपनी शासकीय मोहर को मजबूत करते हैं। अनुराग शर्मा के लिए भी यह दूसरी जीत है। पहले कांगड़ा से पार्टी के जिलाध्यक्ष और अब राज्यसभा के पथ पर पहुंचे अनुराग शर्मा, नए समीकरणों की कहानी बन रहे हैं। एक नया चेहरा कांगड़ा के खाते से, राष्ट्रीय राजनीति का समुद्र छानने को तैयार किया जा रहा है, तो यह सुक्खू के जरिए कांग्रेस की नई पौध है। हम मान सकते हैं कि सरकार के मिशन रिपीट को फिर कांगड़ा चाहिए। सत्ता में आते ही मुख्यमंत्री ने कांगड़ा को प्रशासनिक दृष्टि से 'पर्यटन कैपिटल' का ताज दिया और राजनीतिक तौर पर पर्यटन मंत्री के रैंक का, पहली बार के विधायक आरएस बाली को ईनाम दिया। अब पार्टी के भीतर एक दूसरा सिपाही इतना सशक्त किया जा रहा है कि राज्यसभा में अनुराग की जिम्मेदारी में कांगड़ा दिया जा रहा है। राज्यसभा की सदस्यता पहले भी कांगड़ा के नेताओं को मिली, लेकिन वे 'कांगडी पहलवान' ही साबित हुए। कांग्रेस का सबसे लंबा समय राज्यसभा में गुजारने वाली विप्लव ठाकुर से ही पूछा जाए कि अपनी सियासी पदोन्नतियों में क्या किया। कम से कम पौंग बांध विस्थापितों के मसले पर ही मोहतरमा को पूछा जाए, तो पता चल जाएगा कि हमारे सांसद किस तरह बगलें झांकते मिले हैं। अब एक अवसर अनुराग शर्मा को मिल रहा है तो देखना यह होगा कि संसद में हिमाचल की शब्दावली कितनी बदलती है, हालांकि उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं में सुक्खू के हस्ताक्षर करते हुए आरडीजी और मनरेगा की जी राम जी दिहाड़ी को चुना है। अनुराग शर्मा एक अकल्पनीय बेचैनी पैदा कर चुके हैं। इनका नाम सामने लाकर मुख्यमंत्री ने अपना वर्चस्व पार्टी आलाकमान की दृष्टि में भी मजबूत साबित किया, भाजपा को चौंकने का अवसर दिया तथा पार्टी के चले हुए कारतूसों को उनकी औकात बता दी। यह राजनीति के नए सुर नहीं, बल्कि कांग्रेस में बदलाव की बयार भी है। यह एक राज्यसभा सीट का सियासी पिटारा नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री की सियासत का नया आगाज है। ऐसे में अब कुछ और साहसिक बदलाव भी सामने आ सकते हैं। मंत्रिमंडल में फेरबदल अभी तक कयासों की बागडोर में ही रहा है। हो सकता है अब चुनावी कसौटियां कसते हुए मुख्यमंत्री अपनी टीम में बदलाव करें। राज्यसभा में अनुराग शर्मा का प्रवेश एक संदेश यह भी दे रहा है कि टीम सुक्खू के रूप में मंत्रिमंडल और पार्टी कार्यकर्ताओं से कुछ चेहरों को नया पद-नया नाम मिल सकता है। बहरहाल बड़ी पारी से पूर्व स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेसी जमात में संगठन और सरकार के बीच समन्वय की तलाशी ली जाएगी। सरकार के मिशन रिपीट अभियान के लिए सरकार और संगठन का संगठित रूप देखना अभी बाकी है।

> कांग्रेस के बेहतर पटल पर वह एक ऐसे व्यक्ति का नाम लिखते हैं, जो उनकी सियासी बुलंदी का परचम सरीखा। राज्य में कांग्रेस का ताज और तख्त संभाले मुख्यमंत्री फिर साबित करते हैं कि उनका साम्राज्य एकछत्र है और इसीलिए हिमाचली टोपी पहने और दिग्गज कांग्रेसी नेता घुटनों के बल आ गए। राज्यसभा चुनाव की गोटियां खेलने वाले कई राष्ट्रीय नेता पलक झपकते रह गए और मुख्यमंत्री सारे नाटक पर पर्दा गिरा कर, अपना शो दिखा गए। जाहिर है यह सुखविंदर सिंह सुक्खू का शो है, जहां कई नेता हाथ मलते रह गए। इस तरह वह कांग्रेस की संस्कृति बदलते हुए अपनी शासकीय मोहर को मजबूत करते हैं। अनुराग शर्मा के लिए भी यह दूसरी जीत है। पहले कांगड़ा से पार्टी के जिलाध्यक्ष और अब राज्यसभा के पथ पर पहुंचे अनुराग शर्मा, नए समीकरणों की कहानी बन रहे हैं। एक नया चेहरा कांगड़ा के खाते से, राष्ट्रीय राजनीति का समुद्र छानने को तैयार किया जा रहा है, तो यह सुक्खू के जरिए कांग्रेस की नई पौध है। हम मान सकते हैं कि सरकार के मिशन रिपीट को फिर कांगड़ा चाहिए। सत्ता में आते ही मुख्यमंत्री ने कांगड़ा को प्रशासनिक दृष्टि से 'पर्यटन कैपिटल' का ताज दिया और राजनीतिक तौर पर पर्यटन मंत्री के रैंक का, पहली बार के विधायक आरएस बाली को ईनाम दिया। अब पार्टी के भीतर एक दूसरा सिपाही इतना सशक्त किया जा रहा है कि राज्यसभा में अनुराग की जिम्मेदारी में कांगड़ा दिया जा रहा है।

कुछ | अलग

भक्त, उतने ही भक्ति के रूप

मानस में भक्त के चार प्रकार बताए गए हैं- ज्ञानी, जिज्ञासु, अर्थार्थी एवं आर्त। चार प्रकार के भक्तों की बात कह देना बहुत सरल है। भक्ति में वास्तविकता-अवास्तविकता का प्रश्न पहले नहीं उठाया जाता। जब तैरना सीख जाएंगे, तभी नदी में उतरेंगे, ऐसा नहीं कहा जा सकता।इसका तो श्रीगणेश ही व्यक्ति की अपनी मान्यता से होता है। संसार सत्य है या असत्य? विषय को चाहना उचित है या अनुचित? प्रारंभिक स्थिति में इन विवादों की कोई आवश्यकता नहीं। यहां तो सीधा आमंत्रण है। तुम संकट से त्राण पाना चाहते हो! ये सब प्रभु से ही संभव है। ब्रह्म-सुख पाना चाहते हो, तो आओ, प्रारंभ कर दो प्रभु के चरणों में भक्ति। अर्थ और अभिलाषाओं की पूर्ति चाहते हो! रहस्य जानना चाहते हो! सब सर्वदा प्रभु द्वारा साध्य होगा।भय और लोभ की सहज वृत्ति से भक्ति का श्रीगणेश होता है। भगवान की जिज्ञासा भक्ति का मध्यभाग है। भगवान का सुख पाना, उसमें एक हो जाना, भक्ति की चरम परिणति है। भय से संत्रस्त आर्त हैं। लोभ से प्रेरित अर्थार्थी हैं। जानने की इच्छा वाला जिज्ञासु है। ज्ञान पाने वाला ज्ञानी है। मानस में-'ग्यानी प्रभुहि बिसेषि पिआरा' कहकर गोस्वामीजी ने पुष्ट कर दिया है। मानस में भक्तों की ओर देखें, तो साधारण से लेकर असाधारण चरित्र वाले अनेक पात्र हमारे सामने आते हैं। दशरथ, गीध, वाल्मीकि, शबरी, कोल, भील, वानर, निशाचर आदि सब वहां (भक्ति में) एक पंक्ति में खड़े हुए दिखाई देंगे। ऐसी उदारता, जो कि अन्यत्र असंभव है।

दृष्टि | कोण

मोदी की चुप्पी के कूटनीतिक मायने

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी ने कई तरह के राजनीतिक और कूटनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं। अमरीका द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद भारत में ईरान के दूतावास ने दुनिया भर की सरकारों से आग्रह किया था कि वे अमेरिका-इजराइल द्वारा तेहरान पर किए गए हमले और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिए जाने की कड़ी निंदा करें। ईरानी दूतावास ने कहा था कि भारत स्थित इस्लामिक गणराज्य, ईरान का दूतावास दुनिया भर की आजाद और स्वतंत्रता की पक्षधर सरकारों से इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करने तथा अराजकता एवं आक्रामकता के सामने खामोश नहीं रहने का आह्वान करता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार की तरफ से निंदा का कोई बयान नहीं आया। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करने के बजाय कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने दोहराया कि भारत की नीति हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की रही है। सरकार का कहना है कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में बातचीत का रास्ता अपनाना जरूरी है। मोदी की तरफ से अपेक्षित बयान नहीं आने पर विपक्षी दल भडक़ गए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या पर मोदी सरकार की चुप्पी को लेकर कहा कि उनका यह रुख भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने याद दिलाया कि कैसे पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था, जो मई 2024 में अजरबैजान में एक हेलीकॉप्टर क्रैश में सात लोगों के साथ मारे गए थे। संजय सिंह ने कहा मोदी जी, आज क्या हुआ? आपने ईरान के प्रेसिडेंट की मौत पर राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। आप ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर एक भी शोक ट्वीट करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, क्योंकि इसके लिए अमेरिका जिम्मेदार है। भारत का किसी एक देश के लिए यह दृष्टिकोण कोई अपवाद नहीं है, बल्कि भारत की पारंपरिक विदेश नीति के सिद्धांतों के अनुरूप है- जटिल संघर्षों में प्रत्यक्ष गठबंधन से बचना और स्थिरता को प्राथमिकता देना है। भारत की प्रतिक्रिया कई वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया के समान है, जिनमें से कई ने संवेदना व्यक्त करने या सीधे तौर पर निंदा करने से परहेज किया है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 सदस्यों में से बहुत कम देशों ने शोक व्यक्त किया। रूस, चीन, उत्तर कोरिया, इराक, तुर्की, पाकिस्तान और मलेशिया जैसे कुछ देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे निंदनीय बताया, जबकि चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने घटना को स्वीकार्य नहीं कहा। इराक में तीन दिन का शोक घोषित किया गया। हालांकि अधिकांश मुस्लिम बहुल देशों ने औपचारिक रूप से संवेदना व्यक्त नहीं की। भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर संयम और संवाद की अपील की। साथ ही ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात के सहयोगियों पर किए गए हमलों की आलोचना भी की गई। सरकार का कहना है कि भारत का रुख राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तय किया गया है। गौरतलब है कि खाड़ी देशों से भारत के द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन सरकार ने इसे साम्प्रदायिक रूप देने की बात से दूरी बनाए रखी है।

सीबीएसई की फर्जी मान्यता पर दाखिले देने वाला स्कूल चेयरमैन गिरफ्तार

गुरुग्राम (हिंस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की फर्जी मान्यता पर स्कूल में दाखिले देने के आरोपी स्कूल चेयरमैन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सेक्टर-9ए स्थित एजुक्रेस्ट इंटरनेशनल नामक स्कूल के फर्जीवाड़े का गत माह एक छात्रा व उसके पिता ने खुलासा किया था। जब वह परीक्षा देने स्कूल पहुंची तो पता चला कि स्कूल की मान्यता ही फर्जी है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी चेयरमैन को बिलासपुर चौक से गिरफ्तार किया गया है। एजुक्रेस्ट इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-9ए गुरुग्राम के प्रबन्धन व स्टॉफ द्वारा सीबीएसई (सीबीएसई) की फर्जी मान्यता दिखाकर धोखाधड़ी करने व छात्राओं का भविष्य दांव पर लगाने को लेकर पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने स्कूल चेयरमैन विनय कटारिया के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया। 18 फरवरी 2026 को पुलिस थाना सेक्टर-9ए की पुलिस टीम को एक लिखित शिकायत दी गई। शिकायतकर्ता द्वारा आरोप लगाया गया कि उसकी बेटी एजुक्रेस्ट इंटरनेशनल स्कूल में 10वीं कक्षा की छात्रा है। उसके साथ स्कूल प्रबंधने गंभीर धोखाधड़ी की है। आरोप लगाए कि स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रवेश के समय यह दावा किया गया कि विद्यालय सीबीएसई से मान्यता प्राप्त है। वैध मान्यता प्रमाण-पत्र एवं संबद्धता नंबर भी दिखाया गया था। उनकी बेटी से ट्यूशन फीस, बिल्डिंग फंड, परीक्षा शुल्क, कंप्यूटर शुल्क आदि विभिन्न मदों में नियमित रूप से शुल्क लिया गया। 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के समय छात्रा को एडमिट कार्ड उपलब्ध नहीं कराया गया। जांच करने पर शिकायतकर्ता को पता चला कि यह स्कूल सीबीएसई से न तो संबद्ध है और न ही मान्यता प्राप्त है।

रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी से आम जनता पर महंगाई की मार : बृजलाल बहबलपुरिया

हिसार (हिंस)। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार में लगातार बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। आज से घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए तथा व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर में 115 रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है, जिससे आम परिवारों और छोटे व्यापारियों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा है। बृजलाल बहबलपुरिया ने शनिवार को कहा कि कुछ समय पहले केंद्र सरकार यह दावा कर रही थी कि देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है, फिर अचानक इतनी बड़ी बढ़ोतरी करना यह साबित करता है कि भाजपा सरकार आम जनता की परेशानियों से पूरी तरह बेपरवाह है। आज हालात यह हो गए हैं कि रसोई चलाना भी आम आदमी के लिए मुश्किल होता जा रहा है। बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि हाल ही में यह खबर सामने आई है कि अमेरिका ने भारत

को 30 दिनों की छूट दी है जिसमें भारत रूस से कच्चा तेल खरीद सकता है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है। क्या अब भारत जैसे स्वतंत्र देश को भी तेल खरीदने के लिए अमेरिका से अनुमति लेनी पड़ेगी? क्या भारत अपनी आर्थिक नीतियां खुद तय नहीं कर सकता? उन्होंने कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और उसे किसी भी देश की अनुमति लेकर अपने व्यापारिक फैसले नहीं लेने चाहिए। भाजपा सरकार की कमजोर विदेश नीति के कारण आज ऐसे सवाल खड़े हो रहे हैं, जो देश की प्रतिष्ठा और स्वाभिमान के लिए ठीक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण पेट्रोल, डीजल, गैस और रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा आम जनता की आवाज उठाती रही है और आगे भी जनता के हक और देश की गरिमा की रक्षा के लिए मजबूती से संघर्ष करती रहेगी।

नीतीश कुमार को सम्मानित विदाई दें भाजपा, राज्यसभा चुनाव में पांचवां प्रत्याशी ले वापस : राजेश राठौड़

पटना (हिंस)। बिहार की सत्ता को हड़पने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जबरन राज्यसभा भेजा जा रहा है। साथ ही राज्यसभा चुनाव में अतिरिक्त उम्मीदवारी देना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अंतिम राजनीतिक यात्रा में भी अड़ंगा डालना अपने ही गठबंधन सहयोगी के साथ क्रूरतम व्यवहार है। उक्त बातें प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा को अविलंब अपने अतिरिक्त उम्मीदवार का नाम निर्देन प्रपत्र वापस लेना चाहिए ताकि नीतीश कुमार की अंतिम राजनीतिक पारी सम्मान के साथ संभव हो सकें। राजेश राठौड़ ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को राज्यसभा के अपने एक अतिरिक्त उम्मीदवार का नाम वापस लेनाचाहिए और नीतीश कुमार को निर्विरोध निर्वाचन कराकर उनके अंतिम राजनीतिक यात्रा का सम्मानपूर्वक अंत करने में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि 2005 से मुख्यमंत्री रहते नीतीश कुमार ने अपने पूरे मुख्यमंत्रित्व काल में एक बार छोड़कर, हर बार विधान पारिषद और राज्य सभा का निर्वाचन निर्विरोध करवायें और अतिरिक्त मत रहते हुए भी कभी मतदान के पक्ष में नहीं रहें। ऐसे में आखिर भाजपा और एनडीए ने किस उम्मीद से पांचवें प्रत्याशी की घोषणा कर दी और उनसे नामांकन भी करवा दिया। निश्चित तौर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सत्ता हड़पने के बाद उन्हें अंतिम राजनीतिक पारी में भी बेइज्जत कर कहीं सत्ता से दूर रखने की साजिश तो नहीं रच दी गई है। उन्होंने मांग किया कि अविलंब एनडीए के शीर्ष नेताओं को नीतीश कुमार की राज्यसभा उम्मीदवारी को लेकर उलझी इस भ्रम को संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से दूर करना चाहिए।

होली स्नेह मिलन समारोह में दिखी राजस्थान की लोक संस्कृति, चंग-ढाप पर झूमे लोग

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेश मीडिया विभाग की ओर से जयपुर जनपथ स्थित यूथ हॉस्टल में *होली स्नेह मिलन समारोह* का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और पत्रकार साथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर पारंपरिक संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। इस कार्यक्रम में शेखावाटी के कलाकारों द्वारा चंग और ढाप की धमाल प्रस्तुत की, जिसने पूरे माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों पर उपस्थित पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और अतिथियों ने भी खूब आनंद लिया। समारोह के दौरान फूलों की होली खेली गई और भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग के प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ ने सभी अतिथियों पर पुष्प वर्षा कर वातावरण को होली के रंगों से सराबोर कर दिया। भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग के प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पत्रकार साथियों से संवाद करते हुए होली की शुभकामनाएं दीं और सौहार्दपूर्ण वातावरण में चर्चा की। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, मिथिलेश गौतम,प्रदेश मंत्री डॉ. अपूर्वा सिंह, एकता अग्रवाल, नारायण मीणा, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल सहित प्रदेश के अनेक प्रवक्ता, पैनलिस्ट, पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकारों और पार्टी पदाधिकारियों ने भाग लेकर होली के इस स्नेह मिलन को यादगार बना दिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन में महिला सुरक्षा पर होगा मंथन

जयपुर (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान पुलिस की ओर से आगामी मंगलवार को एक राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सिविल राइट्स एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम जयपुर स्थित एचसीएम रीपा के भगवत सिंह मेहता सभागार में प्रात: 9-30 बजे से आयोजित होगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सिविल राइट्स एवं एएचटी लता मनोज कुमार ने बताया कि इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा होंगे। इसके साथ

ही महिला सुरक्षा के आधुनिक पहलुओं पर चर्चा के लिए सम्मेलन को तीन महत्वपूर्ण सत्रों में बांटा गया है। इस कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डीजीपी शर्मा द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को अवार्ड्स और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इसके पश्चात वे उपस्थित अधिकारियों और सहभागियों को संबोधित भी करेंगे। द्वितीय सत्र में उप महानिरीक्षक पुलिस साइबर क्राइम विकास शर्मा द्वारा साइबर सुरक्षा विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा, ताकि डिजिटल युग में महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। तृतीय सत्र में इस सत्र का मुख्य विषय नवीन आपराधिक कानून में महिला सुरक्षा रखा गया है। इस पर उप महानिरीक्षक पुलिस सीआईडी सीबी दीपक भार्गव अपना प्रस्तुतिकरण और उद्बोधन देंगे। वहीं कार्यक्रम के सफल और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए अधिकारियों की ड्यूटियां तय कर दी गई हैं। उप महानिरीक्षक पुलिस सिविल राइट्स श्वेता धनखड़ को पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का प्रभारी बनाया गया है। सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए अतिथियों का स्वागत ग्रीन स्वागत के तहत पौधों से किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले सहभागियों के लिए राजस्थान पुलिस अकादमी में ठहरने और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है।

बीएलओ ड्यूटी के नाम पर शिक्षण कार्य प्रभावित करना उचित नहीं : जिलाधिकारी

कानपुर (हिंस)। शिक्षकों का मुख्य कार्य अध्यापन है और किसी भी स्थिति में पठन-पाठन प्रभावित नहीं होना चाहिए। बीएलओ की ड्यूटी विद्यालय प्रारंभ होने से पहले या विद्यालय की छुट्टी के बाद करने का निर्देश है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अलग से एक हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय भी दिया जाता है। शिक्षकों को उनका वेतन शिक्षण कार्य के लिए मिलता है, इसलिए बीएलओ ड्यूटी के नाम पर अपने मूल कार्य से विरत होना उचित नहीं है। यह बातें शनिवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहीं। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को कंपोजिट विद्यालय कठेरुआ का जायजा लिया। इस दौरान तीन शिक्षिकाएं आरती, विभा निगम और अनिता कटियार विद्यालय में अनुपस्थित पाई गईं। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए तीनों का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। शिक्षिकाओं ने अनुपस्थिति का कारण बीएलओ ड्यूटी बताया। इस पर जिलाधिकारी ने मौके से ही मोबाइल फोन के माध्यम से तीनों शिक्षिकाओं से बात कर विद्यालय न आने की वजह पूछी। बातचीत में सामने आया कि दो शिक्षिकाएं अपने

घर पर थीं, जबकि एक ने रास्ते में होने की बात कही। विद्यालय में सविता, अर्चना राठौर, शशि गौतम और अस्मिता तिवारी उपस्थित मिलीं, जबकि दो शिक्षामित्र भी अपने दायित्वों का निर्वहन करते पाए गए। वहीं, दो शिक्षक बीएलओ कार्य देखने के साथ-साथ अध्यापन कार्य भी करते मिले। जिलाधिकारी ने ऐसे शिक्षकों की सराहना की, जो बीएलओ ड्यूटी निभाने के साथ विद्यालय में भी नियमित रूप से उपस्थित रहकर पठन-पाठन का कार्य कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में संचालित मिड-डे मील योजना का भी जायजा लिया। उस दिन भोजन में चावल, दाल और आलू-सोयाबीन की सब्जी बनाई गई थी। जिलाधिकारी ने भोजन चखकर उसकी गुणवत्ता की जांच की। इस दौरान जिलाधिकारी ने आईसीडीएस विभाग द्वारा संचालित फेस रिकग्निशन प्रणाली का भी अवलोकन किया। उन्होंने लाभार्थी आरती देवी का फेस डिटेक्शन कर गर्भवती महिलाओं को दिए जाने वाले ड्राई राशन किट वितरण की प्रक्रिया देखी।

रेलवे ने टी-20 विश्व कप के लिए चलाई स्पेशल ट्रेन

रेवाड़ी (हिंस)। उत्तर पश्चिम रेलवे ने रविवार (आठ मार्च) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह स्पेशल ट्रेन नई दिल्ली स्टेशन से रवाना होगी और रेवाड़ी के रास्ते साबरमती जाएगी। यह ट्रेन रास्ते में दिल्ली कैंट, गुरूग्राम, रेवाड़ी, जयपुर, अजमेर और पालनपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी जिससे खेल प्रेमियों को लाभ मिलेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने शनिवार को बताया कि टी-20 विश्व कप फाइनल मैच को देखते हुए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन के संचालन का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 04062, नई दिल्ली-साबरमती एक तरफा स्पेशल आरक्षित सुपरफास्ट एक्सप्रेस शनिवार को नई दिल्ली से 23:45 बजे प्रस्थान कर रविवार को जयपुर स्टेशन पर 04:50 आगमन व 05:00 बजे प्रस्थान कर 14:30 बजे साबरमती पहुंचेगी।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ का जयपुर में भव्य स्वागत

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के शनिवार को दिल्ली से पहली बार जयपुर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट से राजस्थान विश्वविद्यालय तक जगह-जगह एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने नारे लगाते हुए उनका अभिनंदन किया। जाखड़ दोपहर करीब 1.30 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत में जाखड़ ने कहा कि यह पूरे राजस्थान के लिए गर्व की बात है कि साधारण परिवार से आने वाले कार्यकर्ता को इतना बड़ा दायित्व मिला है। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आभार जताते हुए कहा कि कांग्रेस में गरीब और आम परिवार का युवा भी मेहनत के दम पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई युवाओं और छात्रों के अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी तथा देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए काम करेगी। जाखड़ ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव और नशे के खिलाफ अभियान जैसे मुद्दों पर एनएसयूआई लगातार संघर्ष करती रही है। कर्नाटक सरकार द्वारा छात्रसंघ चुनाव कराने की पहल का स्वागत करते हुए उन्होंने राजस्थान में भी छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग दोहराई। उन्होंने कुछ फिल्मों के जरिए नफरत की राजनीति फैलाने के आरोप लगाते हुए कहा कि देश में अमन और भाईचारे की परंपरा है और विश्वविद्यालय परिसरों में नफरत की राजनीति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही राजस्थान एनएसयूआई अध्यक्ष के चयन को लेकर राहुल गांधी और प्रभारी कन्हैया कुमार के साथ बैठक कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

राजस्थान में सुबह भूकं के झटके रिक्टर स्केल पर 3.5 तीव्रता

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में शनिवार सुबह भूकं के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकं की तीव्रता 3.5 मापी गई। भूकं का सबसे ज्यादा असर सीकर जिले और आसपास के इलाकों में महसूस किया गया। हालांकि झटके हल्के होने के कारण कहीं से भी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकं का केंद्र जयपुर से करीब 69 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम दिशा में धरती से लगभग पांच किलोमीटर की गहराई में था। सुबह करीब 6-30 बजे आए इस भूकं के झटके कुछ सेकेंड तक ही महसूस हुए। जानकारी के अनुसार सीकर जिले के खाटूश्यामजी, पलसाना, धींगपुर और आसपास के क्षेत्रों में लोगों ने धरती में हल्का कंन महसूस किया। करीब एक-दो सेकेंड तक झटके महसूस होने से लोग घरों से बाहर निकल आए। पलसाना क्षेत्र के कई लोगों ने बताया कि भूकं के दौरान उनके घरों के खिड़की-दरवाजे भी हिलने लगे थे।

हिंदू राष्ट्र से पहले गो-हत्या पर प्रतिबंध प्राथमिकता : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

सुलतानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में ज्योतिष पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने हिंदू राष्ट्र की मांग पर एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा कि प्रतीकों की राजनीति से अधिक गौ माता का सम्मान आवश्यक है। उन्होंने सवाल किया कि अरे पहले गौ माता की हत्या तो बंद कराओ! आज हिंदू राष्ट्र घोषित कर दोगे, तो क्या कल सवेरे से वहां गौ हत्या बंद हो जाएगी? अपनी *गौ प्रतिष्ठा पदयात्रा* के सिलसिले में शनिवार को सुल्तानपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गौ रक्षा, हिंदू राष्ट्र और केंद्र-राज्य सरकारों के बीच तालमेल पर बेबाक टिप्पणी की। उन्होंने आगे कहा कि यदि हिंदू राष्ट्र में भी गौ हत्या जारी रहती है, तो यह अपमानजनक होगा। इसलिए, उनकी प्राथमिकता है कि पहले गौ हत्या बंद हो, बाकी बातें बाद में। जब उनसे पूछा गया कि गौ रक्षा के लिए कानून केंद्र सरकार को बनाना है, तो वे राज्यों में प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं, इस पर शंकराचार्य ने संवैधानिक प्रक्रिया का हवाला दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार तब कानून बनाती है जब राज्य सरकारें अपने यहां कानून बनाकर केंद्र को प्रस्ताव भेजती हैं। उनके अनुसार, राज्यों का समूह ही केंद्र सरकार है और जब राज्यों की ओर से प्रस्ताव जाएगा, तभी केंद्र इस पर काम करेगा। फूलों से सजी गाड़ी में सवार शंकराचार्य ने लखनऊ रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात की। लंभुआ थाने के बगल स्थित हनुमान मंदिर पर भी उनका भव्य स्वागत हुआ, जहां उन्होंने बजरंगबली की आरती उतारी और परिक्रमा की।

सड़क निर्माण में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों का विरोध-प्रदर्शन

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज प्रखंड क्षेत्र के मझुआ पंचायत के बरेवा टोला वार्ड संख्या 7 में बन रही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य में कथित अनियमितता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने शनिवार को जमकर विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने निर्माण स्थल पर नारेबाजी करते हुए कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए और संबंधित विभाग से जांच की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण कार्य में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। सड़क के दोनों किनारों पर मिट्टी नहीं डाली जा रही है और न ही सही तरीके से पानी पटाया जा रहा है, जिससे सड़क की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि संवेदक द्वारा पूर्व से बनी पुरानी सड़क के ऊपर ही सीधे निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे नई सड़क की गुणवत्ता

प्रभावित हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह लापरवाही के साथ सड़क निर्माण किया गया तो कुछ ही समय में सड़क टूटने लगेगी और सरकार की योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर और टिकाऊ सड़क उपलब्ध कराना है, लेकिन यहां हो रहा कार्य उस उद्देश्य के विपरीत दिखाई दे रहा है। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और उन्होंने निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कर दोषी संवेदक पर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सड़क निर्माण में यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है तो इसकी जानकारी संबंधित विभाग को देकर उचित कार्रवाई कराई जाएगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य में सुधार नहीं किया गया तो वे आगे भी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

चादर महोत्सव : केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत बोले पवित्र चादर ने जैसलमेर को निरोगी रखा

जयपुर (हिंस)। स्वर्ण नगरी जैसलमेर में आयोजित तीन दिवसीय दादा गुरुदेव चादर महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को आस्था,श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत ऐतिहासिक भव्य वरघोड़ा निकाला गया। इस अवसर पर लगभग 150 वर्षों बाद सोनार दुर्ग स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के ज्ञान भंडार से दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरी महाराज की 871 वर्ष से भी अधिक प्राचीन पवित्र चादर को विधिवत पूजन-अर्चना के साथ बाहर लाया गया। जैन समाज में इस चादर का अत्यंत धार्मिक महत्व है और इसे गहन श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। वरघोड़ा महोत्सव स्थल पर पहुंच कर धर्मसभा में तब्दील हो गया। जहां पवित्र चादर का वासक्षेप सहित गंगोत्री और मानसरोवर से लाए गए जल से अभिषेक किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा की पवित्र चादर 150 वर्षों बाद बाहर आई है। चादर महोत्सव समिति और जैन ट्रस्ट जैसलमेर के प्रयासों से

लाखों श्रद्धालु उस पवित्र चादर के दर्शन महोत्सव में कर सकेंगे जिसने जैसलमेर को महामारी से बचाया था। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने वरघोड़े में शामिल श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज भावुक करने वाला पल है कि दादागुरु के भक्त इतनी बड़ी संख्या में उमड़े है। चादर महोत्सव के इस ऐतिहासिक आयोजन में देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। पूरे शहर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत वातावरण देखने को मिल रहा है। आयोजन को लेकर प्रशासन और आयोजन समिति की ओर से सुरक्षा और व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। झ इस अवसर पर मंच पर गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि, आचार्य मनोज्ञ सागर सूरि, वसन्त विजय, महोत्सव समिति के अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढ़ा, एमएलए महंत प्रतापपुरी, छोटू सिंह भाटी,अरविंद सिंह भाटी मौजूद रहे। चादर महोत्सव समिति के राष्ट्रीय सचिव पदम टाटिया ने बताया की गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि और जैन मुनियों के सानिध्य में पवित्र चादर को सोनार किले से गड़सीसर सर्किल तक लाया गया। जहां इसे विशेष रूप से तैयार किए गए भव्य रथ में विराजित किया गया। इसके बाद गच्छाधिपति आचार्य जिनप्रभमणि सूरीश्वरजी और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने हरी झंडी दिखाकर विशाल वरघोड़ा शोभायात्रा को प्रारंभ किया। पवित्र चादर का पूरे रास्ते सर्वसमाज ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। भव्य वरघोड़े में हजारों श्रद्धालु, जैन संत-मुनि, साध्वी एवं महात्मा शामिल हुए। शोभायात्रा में 21 सजे-धजे घोड़े, 21 ऊंट, 2 हाथी, 20 नासिक ढोल की टीमें, कच्ची घोड़ी नृत्य दल, विशेष रूप से सजाया गया रथ तथा विभिन्न प्रांतों से आए लोक कलाकार आकर्षण का केंद्र बने। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से पुष्प वर्षा की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर हो उठा।

एनलान हैल्थकेयर ने स्टाक स्प्लिट और बोनस शेयर का किया ऐलान

10 रुपये फेस वैल्यू वाला एक शेयर 5 हिस्सों में बंटेगा

नई दिल्ली

फार्मा सेक्टर की कंपनी एनलान हैल्थकेयर ने निवेशकों के लिए बड़ी घोषणा की है। कंपनी ने स्टाक स्प्लिट के साथ-साथ बोनस शेयर देने का भी ऐलान किया है। कंपनी ने इसकी जानकारी शेयर बाजारों को दे दी है। इस खबर के बाद सोमवार को कंपनी के शेयरों पर निवेशकों की खास नजर रहने की संभावना है। शुक्रवार को कंपनी का शेयर 4.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 116.70 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था।

कंपनी की ओर से एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार 10 रुपये फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में विभाजित किया जाएगा। इस स्टाक स्प्लिट के बाद कंपनी के प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 2 रुपये रह जाएगी। स्टाक स्प्लिट का उद्देश्य शेयर को अधिक किफायती बनाना और बाजार में उसकी लिक्विडिटी बढ़ाना माना जाता है। स्टाक स्प्लिट के साथ ही कंपनी ने बोनस शेयर देने की भी घोषणा की है। कंपनी के अनुसार 2 रुपये फेस वैल्यू वाले प्रत्येक एक शेयर पर एक अतिरिक्त शेयर बोनस के रूप में दिया जाएगा। हालांकि, कंपनी ने अभी तक स्टाक स्प्लिट और बोनस शेयर के लिए रिकार्ड डेट की घोषणा नहीं की है। अगर शेयर के प्रदर्शन की बात करें तो इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में करीब 21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी अवधि में बीएसई सेंसेक्स भी लगभग 7.36 प्रतिशत नीचे आया है। हालांकि पिछले छह महीनों में कंपनी के शेयर को होल्ड करने वाले निवेशकों को करीब 26 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। कंपनी का 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 172 रुपये और निचला स्तर 86.98 रुपये है। कंपनी का मौजूदा मार्केट कैप लगभग 620 करोड़ रुपये है। सितंबर तिमाही के शेयरहोल्डिंग आंकड़ों के अनुसार कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 52.68 प्रतिशत है, जबकि 47.32 प्रतिशत हिस्सेदारी पब्लिक के पास है। कंपनी का कारोबार अमेरिका, मैक्सिको, सऊदी अरब, यूएई, श्रीलंका और रूस सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में फैला हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में पेट्रोल-डीजल के पर्याप्त भंडार : इंडियन आयल, कंपनी ने जनता से अपील की, पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं

नई दिल्ली। हाल ही में ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच देश में पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाहें फैल गईं। सोशल मीडिया पर खबरें वायरल होने लगीं और लोग पेट्रोल पंपों की ओर बढ़ने लगे। ऐसे माहौल में इंडियन आयल कार्पोरेशन (आईओसी) ने स्पष्ट किया कि ये खबरें पूरी तरह निराधार हैं। इंडियन आयल ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और आपूर्ति नेटवर्क सामान्य रूप से कार्य कर रहा है। कंपनी ने जनता से अपील की कि पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और केवल आधिकारिक स्रोतों से जानकारी प्राप्त करें। इसी क्रम में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड ने भी कहा कि कुछ क्षेत्रों में फैल रही ईंधन कमी की खबरें भ्रामक हैं। पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की सामान्य आपूर्ति बनी हुई है। सरकार ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 5 मार्च को जारी आदेश में कहा कि रिफाइनरियों द्वारा उत्पादन के दौरान निकलने वाली प्रोपेन और ब्यूटेन गैस का अधिकतम उपयोग एलपीजी उत्पादन में किया जाए।

फरवरी में कुल 13,669 इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री

नई दिल्ली। फरवरी 2026 की बिक्री रिपोर्ट के अनुसार, बीते महीने देश में कुल 13,669 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जो जनवरी 2025 की 9,479 यूनिट्स की तुलना में 44 प्रतिशत सालाना वृद्धि को दर्शाती हैं। बिक्री में शीर्ष पर रही टाटा मोटर्स, जिसने 5,558 यूनिट बेचकर अपनी मजबूत पकड़ कायम रखी। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की उसी अवधि में हुई 4,002 यूनिट बिक्री से 39 प्रतिशत अधिक है। पंच ईवी और नेक्सान ईवी जैसे माडल कंपनी की सफलता का प्रमुख कारण बने रहे। दूसरे स्थान पर एमजी मोटर्स इंडिया रही, जिसकी 3,310 यूनिट बिकीं। हालांकि यह पिछले वर्ष की तुलना में 5प्रतिशत की हल्की गिरावट है, लेकिन एमजी की कामेट और अन्य ईवी माडल अभी भी ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हैं। सबसे चौंकाने वाला प्रदर्शन महिंद्रा इलेक्ट्रिक ने किया, जिसने 2,913 यूनिट बेचकर पिछले वर्ष की 508 यूनिट्स की तुलना में 473प्रतिशत की रिकार्डतोड़ उछाल दर्ज की। नए ईवी माडलों ने कंपनी को तेजी से आगे बढ़ाया है। चौथे स्थान पर उभरती वियतनामी कंपनी विनफास्ट ने 384 यूनिट्स के साथ जगह बनाई, जबकि पांचवें नंबर पर बीवायडी इंडिया रही, जिसने 306 यूनिट्स बेचकर 10प्रतिशत की बढ़त हासिल की। इसके अलावा, ह्युंडई ने 304, किआ ने 295, बीएमडब्ल्यू ने 245 और मारुति ने 214 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं।

विदेशी मुद्रा भंडार रिकार्ड स्तर पर, भारत की आर्थिक मजबूती का संकेत

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक खबर सामने आई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.88 अरब डालर बढ़कर 728.49 अरब डालर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह यह 2.11 अरब डालर घटकर 723.60 अरब डालर रहा था। इससे पहले 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 725.72 अरब डालर के स्तर पर पहुंचा था। आरबीआई के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा फारेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) होता है। रिपोर्टिंग सप्ताह में यह 56.1 करोड़ डालर बढ़कर 573.12 अरब डालर हो गया। डालर में दर्शाए जाने वाले इन एसेट्स में यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य विदेशी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। इस सप्ताह भारत के गोल्ड रिजर्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। सोने का भंडार 4.14 अरब डालर बढ़कर 131.63 अरब डालर हो गया। वहीं इंटरनेशनल मोंटरी फंड में भारत के स्पेशल ड्राइंग राइट (एसडीआर) 2.6 करोड़ डालर बढ़कर 18.87 अरब डालर हो गए। आईएमएफ में देश की रिजर्व पोजीशन भी 15.8 करोड़ डालर बढ़कर 4.87 अरब डालर पर पहुंच गई। विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है। पर्याप्त फारेक्स रिजर्व होने से देश आसानी से आयात का भुगतान कर सकता है और वैश्विक आर्थिक संकट के समय यह सुरक्षा कवच की तरह काम करता है।

डिजिटल फ्राड पर मिलेगी राहत, 25,000 तक मुआवजे का प्रस्ताव

नया ड्राफ्ट नियम 1 जुलाई 2026 से लागू करने की योजना, 5 दिन में शिकायत जरूरी

नई दिल्ली

डिजिटल भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल के बीच ग्राहकों को बैंकिंग फ्राड से राहत देने के लिए रिजर्व आफ इंडिया (आरबीआई) नए नियम लाने की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित ड्राफ्ट के अनुसार छोटे डिजिटल फ्राड के मामलों में पीड़ित ग्राहकों को मुआवजा देने की व्यवस्था की जाएगी। योजना है कि यह नियम 1 जुलाई 2026 से लागू किया जाए। आरबीआई के प्रस्ताव के मुताबिक यदि किसी ग्राहक को डिजिटल बैंकिंग के जरिए 50,000 रुपये तक का नुकसान होता है, तो उसे 85 प्रतिशत तक राशि या अधिकतम 25,000 रुपये (जो कम हो) तक मुआवजा मिल सकता है। हालांकि यह सुविधा ग्राहक की जीवन में केवल एक बार दी जाएगी। प्रस्तावित नियम इलेक्ट्रानिक बैंकिंग के कई माध्यमों पर लागू होंगे। इनमें यूपीआई पेमेंट, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, डेबिट और क्रेडिट कार्ड से भुगतान तथा एटीएम ट्रांजैक्शन शामिल हैं। यह नियम मुख्य रूप से कमर्शियल बैंकों पर लागू होंगे। ड्राफ्ट के अनुसार, जब ग्राहक खुद ओटीपी, पिन या पासवर्ड डालकर भुगतान करता है, तो उसे आथराइज्ड ट्रांजैक्शन माना जाएगा।

वहीं यदि किसी स्कैमर ने धोखे से ओटीपी या बैंक डिटेल हासिल कर ली हो, या ग्राहक को खुद को बैंक या संस्था बताकर पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया हो, तो ऐसे मामलों को फ्राड ट्रांजैक्शन माना जा सकता है। आरबीआई ने बैंक और ग्राहक दोनों की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने का प्रस्ताव रखा है। बैंक की लापरवाही में असुरक्षित सिस्टम, ट्रांजैक्शन अलर्ट न भेजना या फ्राड रिपोर्टिंग की सुविधा न देना शामिल है। वहीं ग्राहक की लापरवाही में ओटीपी साझा करना, बैंक की चेतावनी को नजरअंदाज करना या संदिग्ध ऐप डाउनलोड करना शामिल है। मुआवजा पाने के लिए ग्राहक को 5 दिनों के भीतर बैंक और साइबर क्राइम पोर्टल या हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करनी होगी।

चुनावी फ्रीबीज से रुका देश का विकास, एसबीआई ने खर्च सीमा तय करने की दी सलाह

नई दिल्ली। चुनावों के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए राज्यों द्वारा दी जाने वाली मुफ्त उपहार (फ्रीबीज) और बैंक खातों में नकद राशि जैसी योजनाओं को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। हाल ही में स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसी योजनाओं से राज्यों के सरकारी खजाने पर भारी दबाव पड़ता है और कई बार जरूरी कल्याणकारी योजनाएं प्रभावित हो जाती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न राज्यों में चुनावी वादों के तहत लागू की जाने वाली फ्रीबीज योजनाओं का खर्च राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का लगभग 0.1 प्रतिशत से 2.7 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। यह राशि राज्यों की कुल राजस्व वसूली का करीब 5 से 10 प्रतिशत तक होती है। एसबीआई ने सुझाव दिया है कि मुफ्त उपहार और नकद वितरण जैसी योजनाओं पर खर्च की एक सीमा तय की जानी चाहिए, जिसे कुल राजस्व का लगभग 1 प्रतिशत तक सीमित रखा जाए। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता व्यक्त की है। शीर्ष अदालत ने चुनाव से पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार देने की प्रवृत्ति की आलोचना करते हुए कहा कि सरकारों को लोगों को मुफ्त चीजें देने के बजाय रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि सरकारों को सक्षम और हाशिए पर रहने वाले लोगों के बीच अंतर करना चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को ही राहत मिल सके। एसबीआई की रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि जिन राज्यों में महिला-केंद्रित योजनाएं शुरू की गई हैं, वहां महिला मतदाताओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 19 ऐसे राज्यों में 2024 में औसतन 7.8 लाख महिला मतदाताओं की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि जिन राज्यों में ऐसी योजनाएं नहीं थीं, वहां यह वृद्धि केवल 2.5 लाख रही।

कश्मीर में सूखे का खतरा स्कास्ट-कश्मीर ने किसानों को जारी की अर्जेंट एडवाइजरी

श्रीनगर

शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एंड टेक्नोलाजी आफ कश्मीर (स्कास्ट-कश्मीर) के विशेषज्ञों ने कश्मीर घाटी में लगातार बढ़ते तापमान और बारिश की कमी को देखते हुए किसानों के लिए शुक्रवार को एक अर्जेंट एडवाइजरी जारी की। किसानों से कहा गया है कि वे तुरंत मिट्टी की नमी बचाने और फसल सुरक्षा के उपाय अपनाएं। फलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण सलाह यह है कि पेड़ों के बेसिन में 4-6 इंच आर्गेनिक मल्च जैसे धान का भूसा या घास की कतरन डाली जाए। स्कास्ट विशेषज्ञों ने पालीथीन जैसी इनआर्गेनिक मल्च के इस्तेमाल से बचने की चेतावनी दी है, क्योंकि यह मिट्टी का तापमान बढ़ा सकता है और जड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है। सिंचाई की कमी वाले खेतों में जब तक मिट्टी में पर्याप्त नमी न हो, फर्टिलाइजर का इस्तेमाल न करें। गेहूं, सरसों और मटर की फसलों में इंटरकल्चरल आपरेशन से खरपतवार हटाना प्राथमिकता हो। यूरिया का इस्तेमाल 2.5 किलोग्राम प्रति कनाल तक सीमित होना चाहिए और केवल तभी जब मिट्टी में नमी पर्याप्त हो। ट्यूलिप की खेती में सुबह जल्दी या देर शाम हल्की और बार-बार सिंचाई करने की सलाह दी गई है। टमाटर, मिर्च, शिमला मिर्च और पत्तागोभी के नर्सरी बैड को शैड नेट या पुआल से ढककर गर्मी के तनाव को कम किया जा सकता है। मछली पालन में एरेशन सिस्टम से घुले आक्सीजन को 6 एम.जी./लीटर से ऊपर बनाए रखना अनिवार्य है। पानी की गहराई 1.5-2 मीटर रखी जाए और कम आक्सीजन वाले क्षेत्रों में फीडिंग रेट 1-1.5 फीसदी वजन तक कम करें। इस मौसम में मछलियों की सेहत के लिए विटामिन-सी और प्रोबायोटिक्स के साथ हाई-प्रोटीन फ्लोटिंग पेलेट्स का प्रयोग जरूरी है।

किसानों से कहा गया, वे तुरंत मिट्टी की नमी बचाने और फसल सुरक्षा के उपाय अपनाएं

कंबोडिया की राजधानी में ऑटो शो

कंबोडिया की राजधानी में एक ऑटो शो में 10 जीएसी कारें दिखाई गईं, जो दर्शकों की भीड़ को आकर्षित कर रही हैं।

सोना-चांदी में तेजी, अमेरिकी जाब डेटा से बढ़ा निवेशकों का दबाव

नई दिल्ली

वैश्विक बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में तेजी जारी रही। सोने का भाव 104 डालर प्रति ट्राय आउंस बढ़कर 5182 डालर पर पहुंच गया। वहीं सिल्वर फ्यूचर्स कान्ट्रैक्ट्स 3.15 डालर बढ़कर 85.33 डालर प्रति ट्राय आउंस पर कारोबार कर रहे थे। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण अमेरिका से आए कमजोर जाब आंकड़े हैं। फरवरी में 92,000 नौकरियां गईं, जबकि अर्थशास्त्रियों को केवल 50,000 नौकरियों की उम्मीद थी। बेरोजगारी दर 4.4 फीसदी तक बढ़ गई है। कमजोर रोजगार आंकड़े अमेरिकी सेंट्रल बैंक पर ब्याज दरों में कटौती का दबाव बढ़ा रहे हैं। भारतीय बाजार में एमसीएक्स फ्यूचर्स में सोने ने 2839 रुपये की तेजी के बाद 162,512 रुपये प्रति 10 ग्राम छुआ। चांदी ने 8309 किलोग्राम की उछाल के साथ 270,500 रुपये प्रति किलोग्राम का स्तर प्राप्त किया। हालांकि, सर्राफा बाजार में मुनाफावसूली के चलते सोना 1,100 रुपये घटकर 1,64,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 600 रुपये गिरकर 2,71,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही।

साल 2027 तक भारत में लांच होगी 6 नई गाडियां

नई दिल्ली

साल 2027 तक कम से कम छह नई काम्पैक्ट एसयूवी भारतीय बाजार में दस्तक देने वाली हैं। मारुति सुजुकी, टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसे बड़े ब्रांड अपने-अपने अपडेटेड या नए माडल पेश करने की तैयारी में जुटे हुए हैं। मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय ब्रेजा का फेसलिफ्ट वर्जन इस साल की तीसरी तिमाही में लान्च कर सकती है। इसमें नई ग्रिल, रिस्टाइल बंपर, बड़े 16-इंच अलाय और 10.1-इंच टचस्क्रीन जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। सुरक्षा के लिए लेवल 2 अडास और नया 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन इसका मुख्य आकर्षण होगा। इसी तरह हुंडई अपनी ग्लोबल एसयूवी बेयोन का नेक्स्ट-जेन माडल भारत लाने की तैयारी कर रही है, जिसमें 1.2-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन देखने को मिल सकता है। टाटा मोटर्स भी 2027 में नेक्सन का सेकंड-जेनरेशन माडल उतारने जा रही है, जिसे नए एक्स1 प्लेटफार्म पर विकसित किया जाएगा। इसके डीजल वेरिएंट को बंद किया जा सकता है, जबकि इसका इलेक्ट्रिक वर्जन नेक्सान.ईवी कुछ महीनों बाद आएगा। वहीं मारुति फ्रोंक्स के फेसलिफ्ट माडल में नया सीरीज-हाइब्रिड सिस्टम मिलने की चर्चा है, जो 35 किमी/लीटर तक का माइलेज दे सकता है। महिंद्रा भी अपनी विजन एस कान्सेप्ट पर आधारित नई एसयूवी 2027 में लान्च करेगी, जिसमें पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन विकल्प उपलब्ध रहेंगे।

मारुति ई-विटारा का सीधा मुकाबला होगा टाटा कर्व ईवी से

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा लान्च कर दी है। इस एसयूवी का सीधा मुकाबला टाटा मोटर्स की लोकप्रिय कर्व ईवी से है। मारुति ई-विटारा जहां किफायती कीमत और बैटरी ऐज अ सर्विस (बीएएएस) विकल्प के कारण आकर्षक बनती है। वहीं टाटा कर्व ईवी अपनी स्टाइलिश कूपे डिजाइन और दमदार परफार्मेंस के लिए जानी जाती है। मारुति ई-विटारा की कीमत बीएएएस माडल में रुपए 10.99 लाख से रुपए 14.29 लाख तक है, जबकि बिना बीएएएस इसके दाम रुपए 15.99 लाख से रुपए 20.01 लाख के बीच हैं। दूसरी ओर, टाटा कर्व ईवी रुपए 17.49 लाख से रुपए 22.24 लाख में उपलब्ध है। डिजाइन की बात करें तो मारुति का माडल एक प्रैक्टिकल और फैमिली-फ्रेंडली अप्रोच पर आधारित है, जिसमें फ्यूचरिस्टिक एसयूवी लुक और मैट्रिक्स एलईडी डीआरएल शामिल हैं। इसके विपरीत, टाटा कर्व ईवी स्पोर्टी कूपे-स्टाइल डिजाइन के साथ युवाओं को ज्यादा आकर्षित करती है। इंटीरियर और फीचर्स के मामले में मारुति 10.25-इंच डिजिटल क्लस्टर, वेंटिलेटेड सीट्स और अच्छी केबिन स्पेस जैसी सुविधाएं देती है, जबकि टाटा कर्व बड़े 12.3-इंच डिस्प्ले, बेहतर स्टोरेज और अधिक माडर्न लेआउट से प्रभावित करती है। दोनों में आटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग और ड्राइव मोड्स जैसे फीचर्स समान हैं। सुरक्षा के मोर्चे पर दोनों को भारत एनकैप से 5-स्टार रेटिंग मिली है, हालांकि मारुति में 7 एयरबैग और बेहतर एओपी स्कोर मिलता है, जबकि टाटा काप स्कोर में आगे है। परफार्मेंस की बात करें तो ई-विटारा 49 केडब्ल्यूएच और 61 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्पों के साथ 440 से 543 किलोमीटर की रेंज देती है। टाटा कर्व ईवी 45 केडब्ल्यूएच और 55 केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ 430 से 502 किलोमीटर तक चल सकती है।

गाएल मोनफिल्स ने बीएनपी परिबास ओपन से ली भावुक विदाई, दूसरे दौर में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर

इंडियन वेल्स

कैलिफोर्निया में खेले जा रहे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट बीएनपी परिबास ओपन में फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी गाएल मोनफिल्स ने भावुक विदाई ली। दूसरे दौर के मुकाबले में उन्हें कनाडा के फेलिक्स आगर-अलियासिम के खिलाफ 6-7(5), 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा।

इस हार के साथ ही मोनफिल्स का इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। मैच के बाद स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने उन्हें खड़े होकर तालियों के साथ सम्मानित किया।

दर्शकों की तालियों के बीच भावुक हुए मोनफिल्स 39 वर्षीय मोनफिल्स ने पहले ही संकेत दिया है कि यह उनका आखिरी सीजन हो सकता है। मुकाबले के बाद उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट से जुड़ी यादें उनके लिए बेहद खास हैं।

उन्होंने कहा, यह मेरे लिए अविश्वसनीय टूर्नामेंट रहा है। मैं थोड़ा भावुक हूं। आमतौर पर मैं उदास नहीं होता, लेकिन आज थोड़ा दुख जरूर महसूस हो रहा है।

मोनफिल्स ने बताया कि बचपन से उनका सपना बड़े टूर्नामेंटों में बड़ी भीड़ के सामने खेलने का था और इंडियन वेल्स ने उनकी सभी उम्मीदों को पूरा किया।

शानदार करियर और 13 एटीपी खिताब

अपने शानदार एथलेटिक अंदाज और मनोरंजक खेल शैली के लिए मशहूर मोनफिल्स ने अपने करियर में कुल 13 एटीपी टूर खिताब जीते। उनका सबसे हालिया खिताब पिछले साल आकलैंड में आया था, जो 2005 में पोलैंड में जीते गए उनके पहले खिताब के लगभग 20 साल बाद था।

मोनफिल्स ने कहा कि इस साल उन्हें टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड मिलने के लिए वह आयोजकों के आभारी हैं और इंडियन वेल्स हमेशा उनके लिए खुशियों से भरी जगह रहा है।

बिग थ्री के दौर में खेलना पड़ा

मोनफिल्स का करियर ऐसे दौर में रहा जब पुरुष टेनिस पर तीन महान खिलाड़ियों— रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच —का लगभग दो दशकों तक दबदबा रहा।

फिर भी उन्होंने दो ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेले—2008 में फ्रेंच ओपन और 2016 में यूएस ओपन।

मोनफिल्स ने कहा कि वह अपने करियर से पूरी तरह संतुष्ट हैं और टेनिस से विदा लेते समय उन्हें किसी बात का पछतावा नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

आल इंग्लैंड ओपन 2026: लक्ष्य सेन ने ली शी फेंग को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

बर्मिंघम। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 के पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में चीन के ली शी फेंग को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। 24 वर्षीय लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और ली शी फेंग को सीधे गेमों में 21-13, 21-16 से हराया। यह मैच 45 मिनट तक चला, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने आक्रामक और सटीक खेल का प्रदर्शन किया। पहले गेम में लक्ष्य सेन पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने शुरुआत में बढ़त बना ली और लगातार छह अंक हासिल करते हुए आसानी से गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम अपेक्षाकृत कड़ा रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच कई बार बढ़त बदलती रही। हालांकि, निर्णायक क्षणों में लक्ष्य सेन ने लगातार अंक जुटाकर बढ़त को मजबूत किया और अंततः मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन का सामना कनाडा के विक्टर लाई और जापान के कोटा वतनाबे के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मैच के विजेता से होगा।

बुमराह को लेकर डु प्लेसिस ने कहा भाग्यशाली है भारतीय टीम

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। डु प्लेसिस के अनुसार बुमराह जैसी प्रतिभा का होना किसी भी टीम के लिए बेहद फायदेमंद होता है। डु प्लेसिस के अनुसार कठिन हालातों में मैच का रुख पलटने की बुमराह की खूबी उन्हें विश्व का सबसे घातक गेंदबाज बनाती है। बुमराह ने टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में डेथ ओवरों में एक भी बाउंड्री नहीं देते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका रही। एक शो में फाफ डु प्लेसिस ने बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि भारतीय टीम को शायद ये स्वयं भी पता नहीं है कि वह कितनी भाग्यशाली है कि उसके पास बुमराह जैसा गेंदबाज है। डु प्लेसिस के अनुसार किसी भी प्रारुप में जब कप्तान को विकेट की जरूरत होती है तो बुमराह को गेंदबाजी मिलती है। वह टीम को ऐसे अवसरों पर विकेट दिलाते हैं। उन्होंने हंसते हुए कहा कि बुमराह टीम के लिए किसी जिन्न की तरह हैं जैसे ही कप्तान उन्हें गेंद देता है, वह मैच का रुख बदल देते हैं। डु प्लेसिस के अनुसार बुमराह अपने अजीत गेंदबाजी एक्शन और विविधताओं के कारण मिस्ट्री बने हुए हैं।

मैकुलम के बचाव में उतरे ब्रूक

मुंबई। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान हैरी ब्रुक ने टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का समर्थन करते हुए कहा है कि टीम विश्वकप से बाहर होने बाद भी उन्हें पद पर बनाये रखना चाहेगी। ब्रुक ने कहा कि सभी खिलाड़ी कोच के मार्गदर्शन से प्रेरित हैं और चाहेंगे कि वह टीम के साथ बने रहें। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद आलोचकों ने कोच पर सवाल उठाये हैं और उनकी आक्रामक रणनिति की समीक्षा की बात कही है। हार के बाद सबसे ज्यादा आलोचना मैकुलम की ही हुई है। यहां तक कि उनके भविष्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। वहीं ब्रूक उनके बचाव में उतरे है। ब्रूक चाहते हैं कि मैकुलम अपने पद पर बने रहें। ब्रूक ने कहा कि अगर ईसीबी ब्रेंडन मैकुलम को हेड कोच बनाए रखने के बारे में उनकी राय पूछेगी तो वह उनके पक्ष में रहेंगे। ब्रूक ने कहा, जिस तरह से वह सबसे बात करते हैं, जिस तरह से ड्रेसिंग रूम में उनका अपना एक आभामंडल है, हर कोई उनसे प्रेरणा लेता है। पिछले चार सालों में उन्होंने जो कुछ किया है, उसने इंग्लिश क्रिकेट काफी लाभ भी हुआ है। ब्रुक का समर्थन मिलने से कोच के रूप में मैकुलम के भविष्य को एक मजबूत सहारा जरुर मिला है। अब देखना होगा कि इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) मैकुलम पर क्या फैसला लेती है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का प्रदर्शन सामान्य शुरुआत के बाद अच्छा रहा। पहले मैच में नेपाल के खिलाफ करीबी जीत के बाद टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड बिना कोई मैच हारे सुपर-8 में जगह बनाई।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल : अहमदाबाद की पिच पर बल्लेबाजों का दबदबा, 200 रन के पार जा सकता है स्कोर

नई दिल्ली

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबला 8 मार्च को टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना हैं। जहां डिफेंडिंग चैंपियन भारत के सामने कीवी टीम कड़ी चुनौती पेश करेगी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार इस मैच के लिए तैयार की गई पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही है और यहां लगभग 200 रन या उससे अधिक का स्कोर प्रतिस्पर्धी माना जा सकता है।

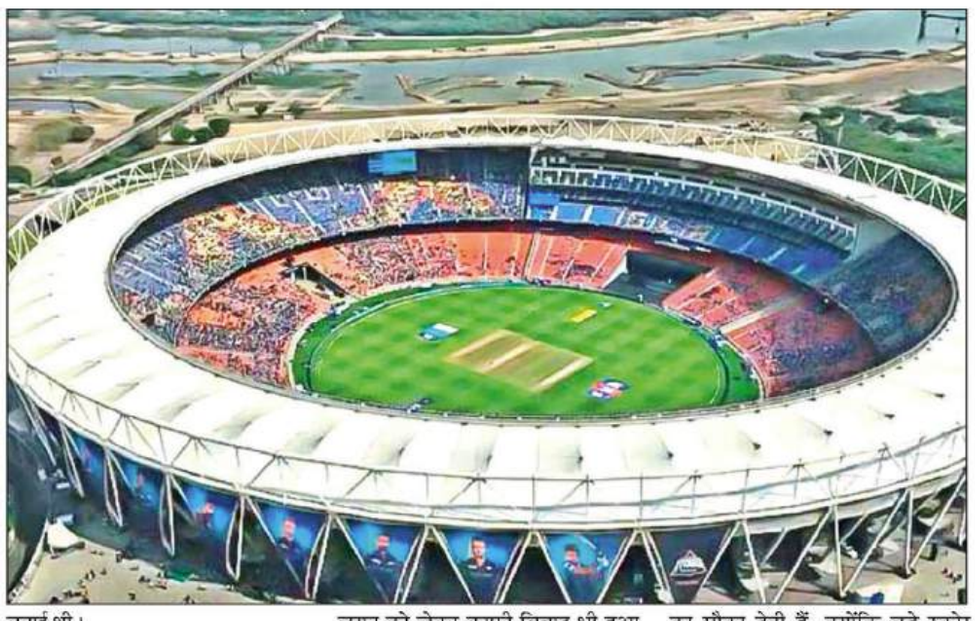

मिली जानकारी के मुताबिक फाइनल मुकाबला सेंटर विकेट पर खेला जाएगा। इसी पिच का उपयोग पहले एक मैच में किया गया था, जिसमें साउथ अफ्रीका ने कनाडा टीम के खिलाफ 213/4 का बड़ा स्कोर बनाया था और 57 रन से जीत दर्ज की थी। इससे संकेत मिलते हैं कि पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रह सकती है और यहां हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार इस विकेट पर स्पिन गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिलने की संभावना कम है, जबकि तेज गेंदबाजों को अच्छी गति और उछाल मिल सकती है। पिच का व्यवहार कुछ हद तक मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम की पिच जैसा रहने की उम्मीद जताई जा रही है। इसी मैदान पर भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

बताया जा रहा है कि फाइनल के लिए तैयार की गई पिच पूरी तरह ताजा होगी और इसे लाल तथा काली मिट्टी के मिश्रण से तैयार किया गया है। यह पिच 2023 के आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में इस्तेमाल की गई पिच से काफी अलग होगी। उस समय इस्तेमाल की गई पिच पूरी तरह काली मिट्टी की थी और पहले से उपयोग में लाई जा चुकी थी, जिसके कारण वह धीमी और कम उछाल वाली हो गई थी।

2023 के फाइनल में भारतीय टीम 240 रन पर आलआउट हो गई थी, जो बाद में कम स्कोर साबित हुआ। आस्ट्रेलियाई टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया था। उस समय पिच चयन को लेकर काफी विवाद भी हुआ था। आमतौर पर आईसीसी टूर्नामेंट में पिच की तैयारी आईसीसी के क्यूरेटर की निगरानी में होती है, लेकिन उस फाइनल के दौरान खबरें आई थीं कि बीसीसीआई और भारतीय टीम ने पिच चयन में अपनी राय दी थी। बाद में उस फैसले की काफी आलोचना हुई थी। इस बार यह स्पष्ट नहीं है कि पिच तैयार करने में भारतीय टीम या बीसीसीआई की कितनी भूमिका रही है, लेकिन अगर पिच सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल रहती है तो इसका फायदा भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को मिल सकता है। खासकर सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी ऐसे विकेट पर तेजी से रन बना सकते हैं।

आमतौर पर कठिन और धीमी पिचें कमजोर टीमों को मुकाबले में बने रहने का मौका देती हैं, क्योंकि बड़े स्कोर बनाना मुश्किल हो जाता है। वहीं सपाट पिच पर मजबूत और अनुभवी बल्लेबाजी लाइनअप वाली टीमों को बढ़त मिलती है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन मुकाबला काफी करीबी रहा और टीम सिर्फ 7 रन से जीत पाई। उस मैच में जसप्रीम बुमराह को छोड़कर बाकी गेंदबाजों ने काफी रन खर्च किए थे। ऐसे में अगर फाइनल मुकाबला भी बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर खेला जाता है तो भारतीय गेंदबाजों के लिए असली परीक्षा होगी। टीम को बुमराह के साथ वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पाण्डया से न्यूजीलैंड के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ अहम विकेट लेने की उम्मीद रहेगी।

हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ रहे क्रिस्टियानो रोनाल्डो, पुर्तगाल के मैत्री मैचों में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली

सऊदी क्लब अल-नासर एफसी के स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। टीम के मुख्य कोच जार्ज जीसस ने बताया कि इस चोट के चलते 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के आगामी मैत्री मुकाबलों में खेलना फिलहाल अनिश्चित हो गया है। रोनाल्डो को यह चोट पिछले सप्ताहांत सऊदी प्रो लीग के एक मुकाबले के दौरान लगी थी। इस मैच में अल-नासर ने अल-फय्हा एफसी को 3-1 से हराया था, लेकिन मुकाबले के दौरान रोनाल्डो असहज नजर आए और लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए। उस समय टीम प्रबंधन को उम्मीद थी कि यह मामूली मांसपेशियों का खिंचाव होगा और वह जल्द वापसी कर सकेंगे। हालांकि बाद में कराई गई मेडिकल जांच में चोट पहले के अनुमान से अधिक गंभीर निकली। कोच जार्ज जीसस ने मीडिया से बातचीत में बताया कि शुरुआती आकलन में इसे हल्का मांसपेशीय खिंचाव माना गया था, लेकिन विस्तृत जांच से स्पष्ट हुआ कि स्थिति अपेक्षा से ज्यादा गंभीर है। उन्होंने कहा कि पिछले मैच के दौरान रोनाल्डो को मांसपेशियों में दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था और अब चिकित्सकीय रिपोर्ट से पता चला है कि उन्हें ठीक होने के लिए पर्याप्त आराम और इलाज की आवश्यकता होगी।

कोच के अनुसार रोनाल्डो जल्द ही उपचार के लिए स्पेन जाएंगे, जहां उनके निजी फिजियोथेरेपिस्ट उनकी रिकवरी पर काम करेंगे। क्लब प्रबंधन को उम्मीद है कि सही इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद वह जल्द फिट होकर मैदान पर वापसी करेंगे, लेकिन फिलहाल उनकी वापसी की सटीक समयसीमा तय नहीं की गई है। इस चोट का असर पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम पर भी पड़ सकता है। विश्व कप की तैयारियों के तहत पुर्तगाल राष्ट्रीय फुटबाल टीम को इस महीने दो अहम मैत्री मुकाबले खेलने हैं। टीम 28 मार्च को मैक्सिको सिटी में मेक्सिको राष्ट्रीय फुटबाल टीम के खिलाफ मैदान में उतरेगी, जबकि 1 अप्रैल को अटलांटा में संयुक्त राज्य अमेरिका की पुरुष राष्ट्रीय फुटबाल टीम से भिड़ेगी।

बीएनपी परिबास ओपन

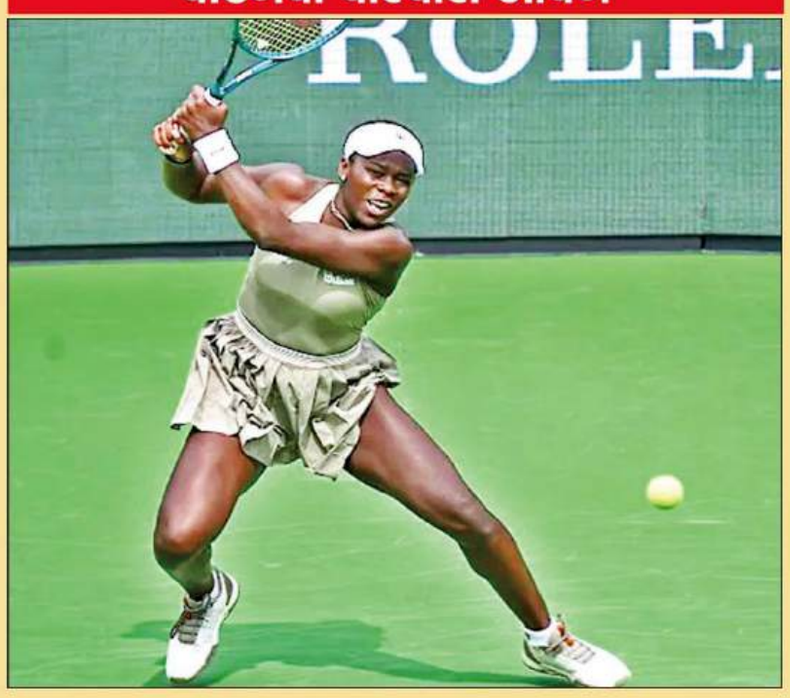

इंडियन वेल्स, कैलिफ़ोर्निया के इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में विक्टोरिया म्बोको ने बीएनपी परिबास ओपन में राउंड 2 जीत के दौरान शाट मारा।

रवि शास्त्री बोले - फायनल में बदलाव करने की जरूरत नहीं

अभिषेक शर्मा को मानसिक रूप से मजबूत करें, संजू सैमसन की बल्लेबाजी मजबूत

मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा का मनोबल बढ़ाना चाहिए और उन्हें अपनी क्षमता पर विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अनुसार खिलाड़ी को यह भरोसा दिलाना जरूरी है कि टीम उसके साथ खड़ी है और उसे अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहिए। शास्त्री ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाला फाइनल मुकाबला अभिषेक शर्मा के लिए टूर्नामेंट का सबसे बेहतरीन मैच साबित हो सकता है।

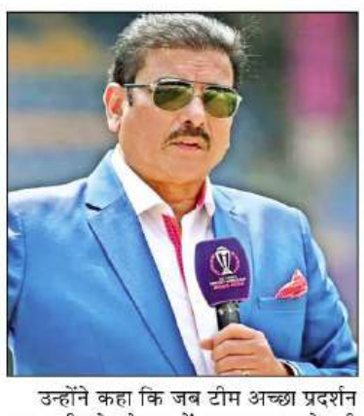

उन्होंने कहा कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो उसमें बदलाव करने की जरूरत नहीं होती। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शस्त्री का मानना है कि संजु सैमसन बल्लेबाजी के दौरान अब पहले से अधिक मानसिक रूप से मजबूत हो गए हैं और यही बदलाव उनके हालिया प्रदर्शन में साफ दिखाई दे रहा है। शास्त्री के अनुसार टी20 विश्व कप में सैमसन के बेहतर नतीजों के पीछे उनकी बढ़ी हुई एकाग्रता और बेहतर शाट चयन बड़ी वजह है। शास्त्री ने कहा कि सैमसन के पास हर तरह के शाट खेलने की क्षमता है, लेकिन पहले अक्सर उनकी एकाग्रता में कमी देखने को मिलती थी। उनका मानना है कि अब सैमसन को इस बात का एहसास हो गया है कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी के दौरान ज्यादा फोकस और समझदारी दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि सैमसन को अपनी ताकत पर भरोसा रखते हुए उसी के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए।

पूर्व कोच के मुताबिक सैमसन की प्रतिभा पर कभी किसी को संदेह नहीं रहा, लेकिन अब वह मानसिक रूप से भी काफी मजबूत नजर आ रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि जब कोई बल्लेबाज क्लास, टच और पावर के साथ शाट लगाता है तो उसकी बल्लेबाजी देखने में बेहद शानदार लगती है और सैमसन में यह सभी खूबियां मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सैमसन अभी केवल 31 वर्ष के हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी बाकी है। शास्त्री के अनुसार भारतीय टीम में उनकी भूमिका अब स्पष्ट हो चुकी है और वह टीम के लिए एक असली मैच-विनर साबित हो सकते हैं। हालांकि सैमसन का शानदार फार्म टीम के लिए सकारात्मक संकेत है, लेकिन दूसरे ओपनर अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन कुछ चिंता जरूर पैदा करता है। टी20 वर्ल्ड कप में अब तक सात पारियों में अभिषेक केवल 89 रन ही बना पाए हैं। इसके बावजूद शास्त्री का मानना है कि फाइनल मुकाबले से पहले टीम संयोजन में बदलाव करना सही फैसला नहीं होगा।

अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर रुस्तम सारंग को खेल एवं युवा कल्याण विभाग में सहायक संचालक के पद की जिम्मेदारी

रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर रुस्तम सारंग को खेल एवं युवा कल्याण विभाग में प्रतिनियुक्ति देते हुए सहायक संचालक के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रुस्तम सारंग ने 13 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पदक जीते , जिसमें 4 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक शामिल हैं। सारंग ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन और उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया।

रुस्तम सारंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर चुके हैं। खेल के क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव और उपलब्धियों को देखते हुए राज्य शासन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों से अन्य दायित्वों के चलते वे खेल प्रशिक्षण और गतिविधियों से दूर थे, जिससे कई छोटे खिलाड़ियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब नई जिम्मेदारी के साथ वे फिर से खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने और खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।उन्हें यह दायित्व फरवरी के अंतिम सप्ताह में सौंपा गया है।

छत्तीसगढ़ के अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर रुस्तम सारंग ने वर्ष 2005 में जूनियर एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई और छत्तीसगढ़ के पहले अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी बने। इसके बाद 2006 सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में कांस्य और 2007 गुवाहाटी नेशनल गेम्स में रजत पदक हासिल किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने 2009 मलेशिया, 2011 दक्षिण अफ्रीका और 2012 समोआ में कामनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते। वहीं पेरिस (2011) और कजाखस्तान (2014) वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भी उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने कई जूनियर और सीनियर नेशनल चैंपियनशिप तथा 2015 केरल नेशनल गेम्स में स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें छत्तीसगढ़ सरकार के शहीद कौशल यादव खेल पुरस्कार, शहीद राजीव पांडेय खेल पुरस्कार और गुंडाधुर सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

रुस्तम सारंग छत्तीसगढ़ पुलिस में डीएसपी के पद पर पदस्थ रहे और एसएआई(साई)पटियाला से स्पोर्ट्स कोचिंग में डिप्लोमा प्राप्त कर कई युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण भी दिया। हाल ही में उन्होंने खेल से संन्यास की घोषणा की थी।

हाई हील सैंडल

कहीं बीमार न बना दे आपको

हाई हील और स्किन टाइट कपड़े लड़कियों को खास पसंद होती हैं। लेकिन उन्हें यह मालूम नहीं कि ऐसा करके वह पैरों की एक खास बीमारी वैरिकोज वेन्स यानी की पैरों की नसों में सूजन को दावत दे रही हैं। करीब 7 फीसदी युवा इस बीमारी से परेशान हैं। आगे की स्लाइड्स पर क्लिक कर देखें कैसे होती है ***ये बीमारी और बचने के उपाय....***

मुसीबत न बन जाए हाई हील

जानकारों के अनुसार जब निचले अंगों की नसों के वॉल्व क्षतिग्रस्त हो जाते हैं तब वैरिकोज नसों का गठन होता है। इसकी वजह से हृदय के निचले अंगों से हृदय की ओर रक्त का प्रवाह कम हो जाता है।

पैरों में सूजन

इससे नसों में खून एकत्रित होता रहता है और पैरों में सूजन आ जाती है। यह रोग आमतौर पर पैरों में पाया जाता है।

दर्द, थकान, खुजली

इंडियन मेडिकल असोसिएशन (आईएमए) के नैशनल प्रेसीडेंट डॉ. के के अग्रवाल बताते हैं कि पैर में कई वॉल्व होते हैं जो रक्त को हृदय की दिशा में प्रवाहित होने में मदद करते हैं। वैरिकोस अल्सर दोनों पैरों में हो सकता है। जब ये वॉल्व क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, तो सूजन, दर्द, थकान, खुजली और रक्त के थक्के बनना शुरू हो होता है।

समय पर इलाज जरूरी

यह एक धीमी लेकिन परेशानी करने वाली बीमारी है। यद्यपि लक्षण शुरुआत में हल्के होते हैं, जिस वजह से लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते। इसका इलाज समय पर कराना जरूरी है अन्यथा अल्सर विकसित हो सकता है और इससे एक्जिमा और उच्च रक्तचाप हो सकता है।

पहली बार दौड़ते वक्त न करें ये गलतियां

ऐसे बहुत से लोग हैं जो न तो जिम जाते हैं और न ही एक्सरसाइज करते हैं, मगर जब बात दौड़ने की आती है तो वे हर सुबह जूते बांध कर दौड़ने के लिए निकल पड़ते हैं। अगर आप भी दौड़ने वालों की श्रेणी में आना चाहते हैं तो आपको जानना होगा कि ऐसी कौन सी आम गलतियां हैं, जो अच्छे से अच्छे दौड़ने वाले कर जाते हैं। अगर आप लंबे समय से रनिंग करने की सोच रहे हैं, तो कुछ खास बातों का खयाल रखें। इससे आपको दौड़ने में आसानी हो जाएगी।

एड़ियां कम यूज करें

रनिंग के दौरान कभी भी जमीन पर जोर से एड़ियों का दबाव नहीं डालना चाहिए। इससे शरीर पर दबाव भी बढ़ेगा। यह गलती आमतौर पर ज्यादातर लोग करते हैं। इससे आपके जोड़ और हड्डियां चोटिल हो सकती हैं। वहीं खाली पेट नहीं दौड़ना चाहिए।

तेज ना दौड़ें

जो लोग रनिंग के मामले में नए होते हैं, वे तुरंत ही तेजी के साथ भागना शुरू कर देते हैं,

आसान लक्ष्य रखें

लोग जोश में आकर लंबा दौड़ने की सोच लेते हैं, लेकिन ध्यान रखना है कि आपकी प्रतिस्पर्द्धा खुद से हो। अगर आप दौड़ में नए हैं और एक ही बार में 5 किमी दौड़ लेना चाहते हैं, तो केवल निराशा ही हाथ लगेगी। इसलिए दौड़ते समय छोटे-छोटे गोल बनाएं और उसे पूरा करें।

जिससे वह आगे चल कर बुरी तरह से थक जाते हैं। इससे रनिंग आपके लिए एक कठिन काम बन जाती है।

गलत जूते ना पहनें

दौड़ने से पहले अपने जूते चेक कर लें कि कहीं उन्हें पहनने से आपके पैरों में दर्द, हिप पेन, जोड़ों में दर्द या कंधे में दर्द तो शुरू नहीं हो गया। अगर आप सही जूते पहनेंगे तो बिना दर्द के लंबा दौड़ पाएंगे।

किचन में रखें वास्तु का ख्याल, मिलेंगे कई सारे फायदे

रसोई घर (किचन), घर के सबसे जरूरी हिस्सों में से एक है इसलिए वास्तु के अनुसार किचन की जमावट करने पर घर की सकारात्मक ऊर्जा में बढ़ोतरी होती है। किचन में वास्तु उपाय अपनाकर सारे अशुभ प्रभावों को खत्म किया जा सकता है।

– जिस घर में किचन के अंदर ही मंदिर होता है, वहां रहने वाले लोग गरम मिजाज के होते हैं। परिवार के किसी सदस्य को रक्त संबंधी शिकायत भी हो सकती है। इसलिए मंदिर के लिए किचन से बाहर अलग जगह होना चाहिए।

– जिस घर में किचन मेन गेट से जुड़ा हो, वहां पति-पत्नी के बीच बिना कारण आपस में मतभेद पैदा होने लगते हैं। निर्माण में इस बात का

विशेष ध्यान रखना चाहिए।

– जिस घर में किचन व बाथरूम एक सीध में हों, वहां रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। साथ ही जीवन अशांति रहती है। इससे बचने के लिए बाथरूम में कटोरीभर नमक रखें, समय-समय पर इसे बदलते भी रहें।

– जहां किचन के अंदर स्टोर रूम हो और कबाड़ रखा रहता हो तो गृहस्वामी नौकरी या व्यापार में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बचाव के लिए किचन में चांदी का सिक्का रखें।

सराहाह डाउनलोड करने से पहले यह पढ़ें नहीं तो पछताना पड़ेगा

हाल ही में एक नया एप्प तेज़ी से दुनिया भर में पॉपुलर हो रहा है। और भारत में इस एप्प को लेकर लोगों की उत्सुकता इस कदर है कि यह केवल गूगल एप्प स्टोर पर ही नहीं बल्कि हर जगह ट्रेंड कर रहा है। साथ ही सभी फेमस सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी यह चर्चा का विषय बना हुआ है। और इस एप्प का नाम है सराहाह, जो कि एक अरबी शब्द है जिसका मतलब है इमानदारी। इस एप्प को सउदी अरब के एक सॉफ्टवेयर डेवेलपर जैनुल आबेदीन ने बनाया है। अब तक इस एप्प को 50 लाख से भी ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। और भारत में यह एप्प गूगल प्ले स्टोर पर नंबर-1 पर ट्रेंड कर रहा है।

सराहाह एप्प की खासियत यह है कि इस एप्प से मैसेज भेजने वाले की आइडेंटिटी ज़ाहिर नहीं होती है। इस पर मैसेज किसने भेजा है यह पता नहीं लगाया जा सकता है। इसे एप्प की सबसे बड़ी कमी व खूबी, दोनों कह सकते हैं। माना जा रहा है कि इस तरह के एप्प से साइबर बुलिंग का खतरा बढ़ सकता है। क्योंकि कोई भी किसी को किसी भी तरह के आपत्तिजनक मैसेज भेज सकता है। चूंकि सेंडर की पहचान छुपी रहती है तो ऐसे में कोई भी आपको वह सब खुलकर बता पाता है जो वह आपके बारे में सोचता है या फिर आसानी से धमकी भरा संदेश भी भेज सकता है। वैसे भी आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की घटना काफी बढ़ी हुई है। ऐसे में इस एप्प को यूज़ करने के कई संभावित खतरे भी हो सकते हैं।

कैसे करता है ये एप्प काम?

इस एप्प को इस्तेमाल करने के लिए आपको इसकी वेबसाइट पर या मोबाइल एप्प पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। मोबाइल एप्प को आप गूगल प्ले स्टोर या ऐप्पल स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके बाद रजिस्ट्रेशन करने के लिए आपको ईमेल आईडी देनी होगी। रजिस्टर करने के बाद आपको इसका लिंक फेसबुक पर पोस्ट करने का ऑप्शन मिलता है। इसके अलावा आप सोशल नेटवर्किंग साइट्स जैसे ट्विटर और स्नैपचैट पर भी यह लिंक पोस्ट कर सकते हैं या फिर प्राइवेट मैसेज के ज़रिए किसी को भेज सकते हैं। दिए हुए लिंक को क्लिक करके कोई भी आपको मैसेज भेज सकता है। लेकिन मैसेज भेजने वाले शख्स के बारे में आपको कोई जानकारी नहीं होगी। आपके सराहाह एप्प पर जैसे ही लिंक के ज़रिए कोई आपको मैसेज भेजता है, आपको एप्प में नोटिफिकेशन मिलेगा, जहां आप मैसेज पढ़ सकते हैं। हालांकि इसके द्वारा भेजे गए मैसेज का फिलहाल रिप्लाई नहीं किया जा सकता है। इस एप्प का यूज़र इंटरफेस काफी आसान है और आने वाले समय में इसमें कुछ नए फीचर्स और लाने की तैयारी है, जिसका ऐलान जल्द किया जाएगा।

कितना सिक्योर है ये एप्प?

यह एप्प कितनी सुरक्षित है या कितनी नहीं, इसका पता आपको खुद ही लग जाएगा। क्योंकि इसमें सेंडर की पहचान नहीं हो पाती है, ऐसे में कोई भी आपको कैसा भी मैसेज कर सकता है। वहीं एप्प की सिक्योरिटी को लेकर यूज़र्स के मन में कई सवाल हैं। जैसे कि इसमें रजिस्टर करने के लिए आपको अपनी ईमेल आईडी देनी होती है। इमेल आईडी, आईपी अड्रेस और ब्राउज़र की कूकीज़ के जरिये हैकर्स आपको ट्रेस भी कर सकते हैं। साथ ही कुछ यूज़र्स का कहना है कि इस एप्प पर अपने राज़ व खुफिया बातें खोल देने का खामियाजा, फिरौती देकर या ब्लैकमेल होकर न भुगतना पड़े। इस एप्प पर रजिस्टर्ड यूज़र्स को सिर्फ मेसेज रिसीव होते हैं। रिसीवर का डेटा और फेवरिट मेसेज ही सेव होते हैं। भेजने वाले यूज़र की आइडेंटिफिकेशन का कोई तरीका नहीं है क्योंकि वह एक लिंक के जरिये मेसेज भेजता है। ऐसे में यूज़र्स को काफी सोच-समझकर ही इस एप्प पर लॉग-इन करना होगा और नेगेटिव रिस्पॉन्स के लिए भी तैयार रहना होगा। ताकि भविष्य में आपको किसी भी तरह की मुसीबत का सामना ना करना पड़े।

ऑफिस टिप्सः

जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है कोई काम

ऑफिस के काम से मनचुराने वाले लोगों के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है और इसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ता है. ऐसे में जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है ऑफिस में कोई काम...

हर एक ऑफिस में एक न एक ऐसा कर्मचारी जरूर होता है, जोकि हमेशा 9 से 5 के शेड्यूल में रहना पसंद करता है या फिर यूं कहे कि लंबे लंच ब्रेक के साथ 9:15 से 4: 59 की ऑफिस ड्यूटी ही करता है. इस तरह के लोगों की वजह से ऑफिस का माहौल खराब होता है और दूसरे कर्मचारियों का भी वर्क आउटपुट गिरता है. ऑफिस के काम से मनचुराने वाले लोगों के साथ काम करना बेहद मुश्किल होता है और इसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ता है. ऐसे में जानिए कैसे करें उस साथी के साथ काम जो नहीं करता है ऑफिस में कोई काम...

काम नहीं करने वालों का काम करने से बचें

अगर आपके को-वर्कर के हिस्से का काम

आपको करना पड़ रहा है, तो इस चीज को जल्द से जल्द करना बंद करें. जितना हो सके सिर्फ अपने काम पर फोकस रखें और अगर काम न करने वाला को-वर्कर आपसे कोई काम कहते है, तो विनम्र तरीके से उसे न कहना सीख लें. अगर आप ऐसा करना शुरु करते हैं तो इससे दो चीजें होने की संभावना है. पहली ये कि...या तो को-वर्कर की प्रोडक्टिविटी बढ़ जाएगी और दूसरी ये कि आपके मैनेजर को वर्क आउटपुट कम होता दिखने लगेगा.

एक बार जरूर कर लें बात

अगर ऑफिस में आपका साथी काम नहीं कर रहा है और उसकी वजह से आप पर एक्सट्रा प्रेशर पड़ रहा है, तो एक बार अपने साथी से जरूर बात कर लें. इस प्रॉब्लम से बचने के लिए आप उससे अकेले में वन ऑन वन बात क्लियर कर सकते हैं. क्योंकि कई बार पर्सनल लाइफ में चल रही उथल-पुथल के चलते कर्मचारी अपने काम पर 100 प्रतिशत नहीं दे पाता है.

मैनेजर से करें बात

एक टीम मैनेजर हमेशा यही चाहता है कि उसकी टीम अपना बेस्ट दे, क्योंकि अगर टीम का आउटपुट अच्छा नहीं होगा, तो सबसे पहले गाज मैनेजर पर ही गिरेगी. अगर आपको लगता है कि लाख कोशिशों के बावजूद को-वर्कर अपना काम आप पर थोप रहा है, तो एक बार उसके रवैये के बारे में मैनेजर को अवगत कराएं. मैनेजर को बताने का ये फायदा होगा कि इससे पूरी टीम को सफर नहीं करना पड़ेगा और काम से भागने वाला आपका साथी खुद से अपना काम करना शुरु कर देगा या फिर अपने लिए दूसरी नौकरी की तलाश में जुट जाएगा.

फिट इंडिया का वोमैन कार्निवल

दिल्ली के नेहरू स्टेडियम में महिला शक्ति का भव्य प्रदर्शन

फिट इंडिया मूवमेंट ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शनिवार से तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्निवल शुरू किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आठ मार्च को मनाया जाता है। इस कार्यक्रम की थीम *मजबूत महिलाएं, मजबूत राष्ट्र* है। इसमें सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और दिल्ली पुलिस जैसे भारत के सशस्त्र बलों और सुरक्षा सेवाओं से जुड़ी 500 से अधिक महिलाएं भाग ले रही हैं। इसमें फिटनेस गतिविधियों और खेलों के माध्यम से महिलाओं की ताकत, लचीलेपन और नेतृत्वक्षमता को उजागर किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की शुरुआत में कई प्रख्यात हस्तियों ने भाग लिया और फिटनेस, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे। इनमें पैरालंपिक पदक विजेता और अर्जुन पुरस्कार पाने वाली प्रीति पाल, प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ निधि निगम और तन्वी तुतलानी, उद्यमी युक्ति आर्य, ध्यान विशेषज्ञ निवेदिता श्रेयंस, योग विशेषज्ञ दिव्या आहूजा और पंखुड़ी श्रीवास्तव, फिजियोथेरेपिस्ट गरिमा बिस्वास और फिट इंडिया चैंपियन टिम्सी बेक्टर शामिल थीं। प्रीति पाल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि जब मैंने खेल में अपने करियर की शुरुआत की, तो कई लोगों ने कहा कि मैं कुछ भी हासिल नहीं कर पाऊंगी। मैंने उन आलोचनाओं को प्रेरणा में बदल दिया। उन्होंने कहा कि मैंने ठान लिया था कि अगर वह मानते हैं कि मैं कुछ नहीं कर सकती

तो मैं साबित कर दूंगी कि मैं बहुत कुछ कर सकती हूं। हमेशा याद रखें कि हम महिलाएं हैं और हम कुछ भी हासिल कर सकती हैं, कभी किसी को यह न कहने दें कि आप अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकतीं।

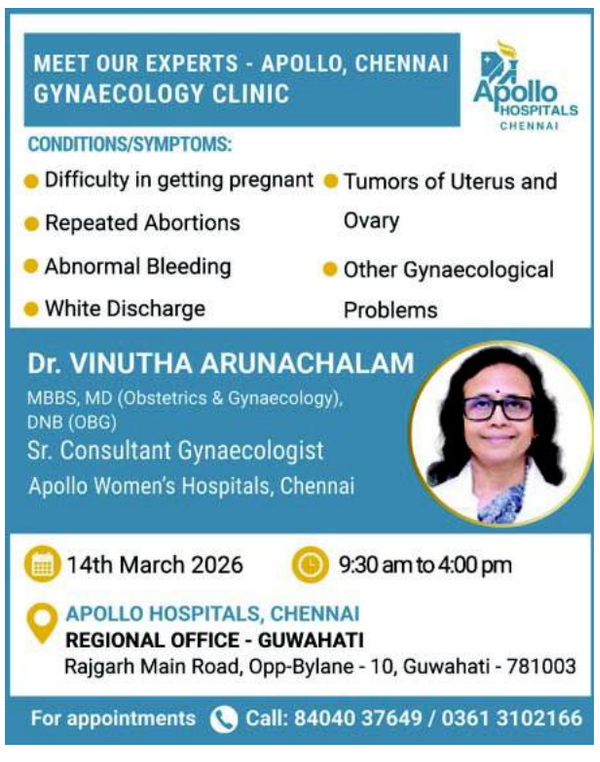

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**